सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 205 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 09 मई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

सीजी बोर्ड 10वीं व 12वीं के नतीजे जारी

12वीं में महासमुंद की महक व 10वीं में जशपुर की सिमरन शबबा ने किया टॉप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 10वी व 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम जारी हो गए हैं। महासमुंद की महक अग्रवाल ने 12वीं में टॉप किया है। महक अग्रवाल ने 97.40 फीसदी अंक लाकर टॉप किया है। वहीं कोपल ने दूसरा स्थान पर रहीं, उन्होंने 97.00 फीसदी अंक पाए। इसी प्रकार10 वीं में जशपुर की रहने वाली सिमरन शबबा ने 600 में 597 यानि 99.50 फीसदी अंक पाकर टॉप किया है। दूसरे नंबर पर गारियाबंद की होनिसा 98.83 फीसदी रहीं हैं। श्रेयांश कुमार यादव 98.33 फीसदी तीसरे नंबर पर रहे। जबकि चौथे पर क्रमश: राहुल 98.17 प्रतिशत, डॉली साहू, अंशिका, अर्पिता रहे हैं। शिक्षा विभाग की सचिव रेणु पिल्ले ने रिजल्ट जारी किया।

इस बार के रिजल्ट में 50.74 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं। वहीं सिर्फ 34 फीसदी छात्र फर्स्ट डिवीजन पास हुए हैं। 12वीं में 2 लाख 54 हजार 906 छात्रों ने परीक्षा दी है। नतीजे CGBSE की ऑफिशियल वेबसाइट results.cg.nic.in लिंक पर जारी किए गए हैं। इस पर स्टूडेंट्स रोल नंबर और डिटेल के साथ अपना रिजल्ट देख सकते हैं। 12वीं की परीक्षा 1 मार्च से 23 मार्च तक हुई थी। पिछले साल 12वीं में 79.96 प्रतिशत छात्र पास हुए थे।

यह हैं 12 वीं के टॉपर्स

12वीं के टापर्स में महक अग्रवाल महासमुंद 97.40, कोपल अमबस्ट बलौदा बाजार 97.00, प्रीति बलौदाबाजार 96.80, आयुषी गुप्ता जशपुर 96.80, समीर कुमार धमतरी 96.60, हर्षवती बालोद 96.00, वेदांतिका शर्मा बिलासपुर 96.00, शुभ अग्रवाल कोरबा 96.00, डाली पटेल बालौदा बाजार 95.80, अदिति साहू बालौदा बाजार 95.80, हिमांशी रायपुर 95.80, वेदिका निषाद कांकेर 95.60, पियूष कुमार कन्नोजिया बलरामपुर 95.60, कंकना घरमी कांकेर 95.40, यमुना कबीरधाम 95.20 रिफा जबेरी कबीरधाम, 95.20, साहिल खान बलरामपुर 95.20, नीरज शर्मा सूरजपुर 95.20, भावना साहू दुर्ग 95.00 व निधि गोगड़ कांकेर 95.00 शामिल हैं।

इसमें 81.15 प्रतिशत बालिकाएं और 77.03 प्रतिशत बालक थे। 12वीं में 2022-23 में विधि ने टॉप किया था।

कॉपियों का मूल्यांकन दो चरणों में शुरू हुआ था। पहले चरण में 23 मार्च और दूसरे चरण में 14 अप्रैल तक मूल्यांकन किया गया।

यह हैं 10 वीं के टॉपर्स

10 वीं के टापर्स में सिमरन शब्बा-जशपुर-स्वामी आत्मानंद-99.50, होनिशा-गरियाबंद-98.83, श्रेयांश कुमार यादव-जशपुर-98.33, राहुल गंजीर-बालोद-98.17, डाली साहू-बालोद-98.17, अनिष्का सिंह ठाकुर-रायपुर-98.17, अर्पिता कुजुर-जशपुर-98.17, पद्मिनी शांडिल्य-बालोद-98.00, जिज्ञासा-बालोद-98.00, निधि साहू-बलौदाबाजार-98.00, गामनी कुमारी कंवर-कोरबा-98.00, लुकेश्वर राजपूत-बालोद-97.83, बबीता साहू-बालोद-97.83, वंशिका साहू-राजनांदगांव-97.83, जान्हवी पटेल-सक्ती-97.83, दिमित्रा सिंह-जशपुर-97.83, प्रीति समदूर-जशपुर-97.83, रसीना चौहान-जशपुर-97.83, आयुष सोनकर-धमतरी-97.67, प्रेरणा साहू-महासमुंद-97.67, मयंक कोर्राम-कांकेर-97.67, पायल अधिकारी-कांकेर-97.67, अभिषेक गुप्ता-बिलासपुर-97.67, उमा बरेठ-जशपुर-97.67, करीना सिंह-जशपुर-97.67, तोषण कुमार-बालोद-97.50, खोमेंद्र कुमार-बालोद-97.50, दुर्गा रानी वर्मा-दुर्ग-97.50, रिया सिंह-रायपुर-97.50, साक्षी साहू-बिलासपुर-97.50, योगेश कुमार साहू-मुंगेली-97.50, खुशी तुवानी-बालोद-97.33, श्रेजल धुर्वे-बेमेतरा-97.33, आदित्य कश्यप-दुर्ग-97.33, यशवंत कुमार पारकर-दुर्ग-97.33, शौर्य शुक्ला-गरियाबंद-97.33, रिया साहू-महासमुंद-97.33, दिनेश प्रधान-महासमुंद-97.33, तनिषा सिंह-रायपुर-97.33, प्रिया साहू-बिलासपुर-97.33, वर्षा साहू-कांकेर-97.33, माला विश्वास-कांकेर-97.33, तानया श्री-कांकेर-97.33, शालिनी सिंह-जशपुर-97.33, हेमप्रज्ञा साहू-बालोद-97.17, ऋतिक देवांगन-बालोद-97.17, अक्षत सिन्हा-धमतरी-97.17, रिया साहू-दुर्ग-97.17, तेजस नायक-महासमुंद-97.17, बाबी मिंज-रायपुर-97.17, जागृति प्रजापति-जांजगीर चांपा-97.17, कृतिका कुमारी कंवर-कोरबा-97.17, करुणा केवर्त-रायगढ़-97.17, बबीता पटेल-रायगढ़-97.17, राहुल कुमार-सक्ती-97.17, मल्लिका मरकाम-कांकेर-97.17, मोना यादव-जशपुर-97.17, आयुष साहू-जशपुर-97.17 व क्षिप्रा तिवारी-एमसीबी-97.17 शामलि है।

कुल मिलाकर 36 केंद्र बनाए गए हैं। 32 लाख उत्तर पुस्तिकाओं की जांच का काम चल रहा है। मूल्यांकन में करीब 18 हजार शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई थी।

खास-खबर

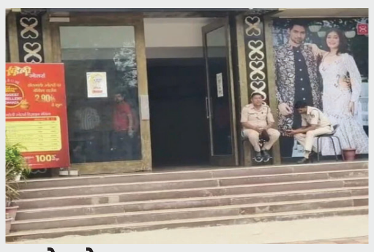

महादेव ऐप पर EOW का बड़ा एक्शन: अब सर्राफा कारोबारी आए चपेट में, दुर्ग-भिलाई, रायपुर सहित कई जिलों में रेड

भिलाई। महादेव सट्टा ऐप मामले में एसीबी EOW ने प्रदेश भर में छापेमारी की है। EOW की टीमें सुबह पांच बजे से राजधानी रायपुर, दुर्ग-भिलाई, बिलासपुर, कांकेर और राजनांदगांव में एक साथ कार्रवाई में जुटी हुई हैं। EOW के अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बल भी कार्रवाई के दौरान मौजूद हैं। इस बार महादेव ऐप बुक की चपेट में शहर के सर्राफा व्यापारी आए हैं।

बताया जा रहा है कि जिन लोगों के ठिकानों पर कार्रवाई चल रही है, उनमें से ज्यादातर सराफा कारोबारी हैं। आकाशगंगा सुपेला से लेकर दुर्ग भिलाई के कई सर्राफा करोबारियों के यहां रेड की खबर है। EOWकी अलग अलग टीमों द्वारा छापेमारी की जा रही है। 2 दर्जन से ज्यादा ठिकानों पर कार्रवाई चल रही है। 6 से 7 लोगों की एक टीम बनाई गई है, जिसमें, रक्क डीएसपी रैंक के अधिकारी भी है।

महादेव ऑनलाइन सट्टा एप से जुड़े मामलों पर एसीबी और EOW की टीम ने दुर्ग भिलाई में सहेली अलंकरण व सांखला ज्वेलर्स में भी दबिश दी है। 4 गाड़ियों में 12 से ज्यादा अधिकारियों की टीम यहां पहुंची है और छानबीन की जा रही है। बताया जा रहा है कि जांच के दौरान टीम को महादेव ऑनलाइन सट्टा एप से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल साक्षय भी बरामद हुए हैं। इस मामले में EOW की टीम पूछताछ कर रही है।

महादेव सट्टा ऐप मामले में रायपुर,दुर्ग और कांकेर समेत करीब 30 ठिकानों पर दी दबिश दी है। सूत्रों से पता चला है कि पुलिस के निलंबित एएसआई चंद्रभूषण वर्मा के रायपुर संतोषी नगर स्थित आवास पर ईओडब्ल्यू का छापा पड़ा है। चंद्रभूषण वर्मा न्यायिक रिमांड पर अभी रायपुर सेंट्रल जेल में बंद है। चंद्रभूषण वर्मा पर आरोप है कि वर्मा ने महादेव ऐप से जुड़े लोगों को बचाने के लिए प्रोटेक्शन मनी लेकर पुलिस अधिकारियों और राजनेताओं तक पहुंचाने का काम किया। महासमुंद, बलौदाबाजार इलाके में भी कारोबारियों के यहां भी दबिश हुई है। कांकेर में आरक्षक विजय पांडे के यहां दबिश दी है।

छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। बुधवार की रात से ही मौसम में बदलाव हुए हैं। वहीं यहां के कई जिलों में आज सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। ऐसे में लोगों को गर्मी से काफी राहत हैं। प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश की भी खबर है। आज भी मिजाज बदला हुआ है। ऐसे में मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक आज कुछ जगहों पर भारी बारिश के साथ तेज आंधी तूफान होने की भी संभावनाएं है। जानकारी के मुताबिक आज राजधानी रायपुर साहित प्रदेश के राजनांदगांव, दुर्ग, सरगुजा, सूरजपुर, कोरबा, अंबिकापुर, भाटापारा साथ ही महासमुंद और धमतरी समेत कई जिलों में तेज आंधी-तूफान और बारिश के आसार हैं। बदली, बारिश और हवा-तूफान के चलते तापमान में भी गिरावट आई है। इससे लोगों को भीषण गर्मी से भी निजात मिली।

कोरबा में पति-पत्नी व मासूम की हत्या से मचा हड़कंप, बंद कमरे में मिली लाशें

श्रीकंचनपथ

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में पति-पत्नी व मासूम की हत्या से हड़कंप मच गया। घटन उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कुकरीचोली के भाटापारा की है। बंद कमरे में पति-पत्नी और उनके बच्चे की लाश मिली है। घटना की सूचना पर पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के मुताबिक गांव में जयराम धोबी अपनी पत्नी सुजाता (25) व दो वर्षीय बेटी जेसिका के साथ रहता था। जयराम ठेकेदारी का काम करता था। बुधवार की सुबह पत्नी और बेटी को लेकर पूजा करने मड़वारानी गया था, जहां से दोपहर लगभग एक बजे घर लौटा। उसके बाद तीनों अपने घर में ही थे। बुधवार रात को खाना खाने के बाद वे अपने कमरे में चले गए। गुरुवार की सुबह छह बजे जब उनके कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो बड़े भाई श्रीराम रजक ने जब उन्हें आवाज लगाई। अंदर से कोई आवाज नहीं आने पर बड़े भाई ने दरवाजा तोड़ दिया।

दरवाजा तोड़ने के बाद जैसे ही बड़ा भाई अंदर दाखिल हुआ तो सामने का नजारा देख बदहवास हो गया। जयराम, सुजाता और उनकी मासूम बेटी जैसिका का शव फंदे पर लटके हुए थे और शरीर पर चोट के निशान भी थे। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। वहीं घटना की सूचना आद्यसपास लोगों को भी मिल गई। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई है। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद हत्या की आशंका जताई है। तीनों के शवों पर चोट के निशान मिले हैं। घटना की सूचना के बाद एएसपी सिद्धार्थ तिवारी और एएसपी यूबीएस चौहान ने भी मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। परिवार के साथ ही आसपास के लोगों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

अब छत्तीसगढ़ में नहीं घुस पाएंगे माओवादी

■ एमपी-महाराष्ट्र और सीजी को जोड़ने वाले कॉरिडोर पर खुल गए फारवर्ड कैम्प

श्रीकंचनपथ न्यूज डेस्क

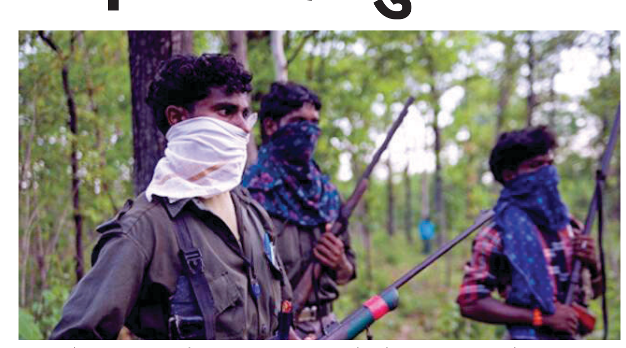

कवर्धा। राज्य में नई सरकार गठित होने के बाद से प्रदेशभर में नक्सलियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। बड़ी संख्या में नक्सली मारे गए और बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इसी कड़ी में नक्सलवाद को रोकने के लिए कबीरधाम जिले में चार और नए फारवर्ड कैम्प खोले गए। नक्सली मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ को जोडने वाले कबीरधाम जिले के जंगलों का उपयोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए करते हैं। ऐसे में उनके रास्ते पर ही नए फारवर्ड कैम्पों की स्थापना की गई है ताकि नक्सलियों के मूवमेंट को जिले के जंगलो में रोका जा सके।

इन कैम्पों की स्थापना से नक्सली गतिविधियों में कमी आएगी। नक्सलियों को बैकफुट में धकेलने के लिए जिले में भी छह नए फारवर्ड कैम्प प्रस्तावित किए गए। इसमें चार कैम्प स्थापित हो चुके हैं। इसमें तीन कैम्प चिल्फी थाना अंतर्गत बेंदा, मारा डबरा और खिलाही (बहनाखोदरा) कैम्प शामिल हैं। वहीं झलमला थाना अंतर्गत कुमान (समनापुर जंगल) में एक कैम्प खोला गया है। वहीं कबीरपथरा और धनवाही में दो कैम्प प्रस्तावित हैं।

पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक पल्लव का कहना है कि पिछले दो महीनों में छत्तीसगढ़ सशस्त्र पुलिस द्वारा सीजी-एमपी सीमा पर कबीरधाम में चार फॉरवर्ड ऑपरेशनल सुरक्षा शिविर खोले गए हैं। दो और शिविर शीघ्र ही खोले जाएंगे।

नक्सलियों को बदलना पड़ा रुट

पूर्व में भी जिले के कुंडपानी, महिडबरा, तेलीटोला, पंडरीपानी और कोयलारझोरी में कैम्प खोले गए। वहां पर पुलिस, 17वीं वाहिनी के सीएफ के जवान तैनात हैं। इन कैम्प के कारण नक्सलियों को रूट ही बदलना पड़ा। इस कैम्प के कारण भी नक्सलियों की चहलकदमी जिले में कम होती गई। इसके चलते ही अब और बेस कैम्प खोले जा रहे हैं ताकि नक्सलियों के आवागमन पूरी तरह से बंद हो जाए।

हाईकोर्ट में 13 मई से 9 जून तक रहेगी छुट्टी, आदेश जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर (ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में समर वेकेशन घोषित कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार 13 मई से सात जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश रहेगा। इस बीच 8 जून शनिवार और 9 जून रविवार होने से 10 जून से हाईकोर्ट में नियमित रूप से सुनवाई होगी।

ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान हाईकोर्ट में जरूरी मामलों की सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच का गठन किया गया है। हाईकोर्ट में समर वेकेशन के दौरान रजिस्ट्री विभाग खुला रहेगा और नियमित रूप से अधिकारी-कर्मचारी काम करेंगे। यानी कि इस दौरान एडवोकेट अपने पक्षकारों की तरफ से याचिकाएं दायर कर सकेंगे। अवकाश के दौरान अति आवश्यक प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी। इसके लिए स्पेशल बेंच लगाई जाएगी।

इसी तरह अवकाश के दौरान सोमवार और शुक्रवार को वेकेशन जज बैठेंगे, जो केस की सुनवाई करेंगे। जारी आदेश के अनुसार 13, 17, 20, 27 व 31 मई के साथ ही 3 व 7 जून को अवकाशकालीन बेंच लगाई जाएगी।

यह राजनीति है, यहां बेवफाई नहीं होती

श्रीकंचनपथ

ज्योति और अरविन्द का विवाह-विच्छेद हो गया। ज्योति ने दूसरे ही दिन फिर से शादी कर ली। अरविन्द भी लिव इन में चला गया। भारतीय समाज ऐसी घटनाओं को लेकर सहज नहीं है। यहां मान लिया जाता है कि अदालत में चाहे जो भी दलील दी गई हो, तलाक की असली वजह बेवफाई ही थी। सनातन तो सरासर इसके खिलाफ है। सनातन में विवाह जन्म-जन्मांतर का अटूट संबंध है। पर जब बात राजनीति की आती है तो सबकुछ स्वीकार्य हो जाता है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग की पूर्व राष्ट्रीय समन्वयक राधिका खेड़ा एकाएक भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो जाती हैं। खेड़ा ने दो दिन पहले ही छत्तीसगढ़ में अपने साथ हुए कथित दुर्व्यवहार को मुद्दा बनाते हुए कांग्रेस से तलाक ले लिया था। कांग्रेस के साथ उनका रिश्ता 22 साल तक चला। इससे पहले दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने 28 अप्रैल को कांग्रेस छोड़ी और 4 मई को भाजपा में शामिल हो गए। मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके संजय निरूपम ने तीन मई को शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) का हाथ थाम लिया। उनसे पहले पूर्व केन्द्रीय मंत्री कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा भी शिवसेना के इसी गुट में शामिल हो गए। वे 55 साल तक कांग्रेस में रहे थे। इससे पहले कांग्रेस के एक और राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने पार्टी छोड़कर 4 अप्रैल को भाजपा का दामन थाम लिया। दिल्ली सरकार में मंत्री रहे आम आदमी पार्टी के नेता राजकुमार आनंद ने भी पार्टी छोड़ी और बहुजन समाज पार्टी से जुड़ गए। अब वो बसपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। अपमानित होकर कांग्रेस छोड़ भाजपा में जाने वाले नेताओं में एक नाम रोहन गुप्ता का भी है। उन्होंने कहा कि सनातन को गाली देने वालों के साथ काम नहीं किया जा सकता। पाला बदलने वालों में एक नाम अक्षय कांति बम का भी है। उन्होंने कांग्रेस की तरफसे अपना नामांकन वापस लेते हुए भाजपा प्रवेश किया। गुजरात कांग्रेस के नेता अर्जुन मोढवाडिया ने पांच मई को भाजपा प्रवेश कर लिया। महाराष्ट्र कांग्रेस के बड़े नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने 12 फरवरी को पार्टी छोड़ी और 13 फरवरी को भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में कूटनीति की कमी है। कांग्रेस के पास व्यावसायिक कौशल भी नहीं है। एक विभीषण ने लंका ढहा दी थी, यहां तो पूरी कतार है। विभीषण को बाद में लंका की गद्दी मिल गई थी। पर इन विभीषणों के साथ ऐसा कुछ होने की संभावना कम ही है। फिर इन विभीषणों का भाजपा करेगी क्या? सच कहें तो यह सोचने का अभी वक्त नहीं आया। जहां तक इन नेताओं का सवाल है वो आगे सिर्फसुकून की जिन्दगी चाहते हैं। ये बहाव के विपरीत तैरने का जोखिम नहीं ले सकते। सोनिया कांग्रेस का कोई भविष्य उन्हें दिखता नहीं और ममता जैसी तृणमूल पार्टी उनके बस की नहीं।

संपादकीय

रांची में छापे

एक लंबे जन-आंदोलन के बाद जब यह प्रदेश अस्तित्व में आया, तो बड़ी उम्मीदें थीं कि कुदरती संसाधनों से आबाद यह सूबा तेज तरक्की करेगा और अग्रणी राज्यों में शामिल होकर अपने गठन के औचित्य को सार्थक साबित करेगा। आदिवासियों के जीवन में आमूल-चूल सुधार का सपना देखा गया था, मगर विकास की रफ्तार के बजाय इस प्रदेश की चर्चा नकारात्मक वजहों से ही ज्यादा हुई। अव्वल तो जब से यह बना है, राजनीतिक अस्थिरता का शिकार रहा है। इसे बने हुए अभी बमुश्किल तेईस वर्ष हुए हैं और इस दौरान दस सरकारें बन चुकी हैं। राज्य के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों को भ्रष्टाचार के आरोप में अपना पद छोड़ना पड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा को तो एक मामले में तीन साल की सजा भी सुनाई जा चुकी है। उन पर हजारों करोड़ के कदाचार के अन्य मुकदमे भी चल रहे हैं।

> “ एक गरीब प्रदेश के मंत्री के करीबियों के पास इतनी दौलत कहां से आई? भ्रष्टाचार के प्रति बढ़ती उदासीनता को तोड़ने के लिए भी अब प्रभावी कार्रवाई होनी चाहिए। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री के ओएसडी और नौकर के घर समेत दूसरे अन्य ठिकानों से जिस बड़े पैमाने पर नकदी बरामद की है, वह हैरानी से ज्यादा एक गहरी टीस पैदा करने वाली खबर है।

विडंबना देखिए, इस समय देश में आम चुनाव हो रहा है, झारखंड की 14 संसदीय सीटों पर 13 मई और 1 जून को वोट डाले जाएंगे, मगर सार्वजनिक विमर्श में भ्रष्टाचार का मुद्दा बहुत प्रभावी नहीं बन पा रहा। यकीनन, कुछ राजनेताओं ने इसको मुद्दा बनाने की कोशिश की है, मगर लोगों के जेहन में यह मसला कौंध नहीं रहा। आखिर ऐसा क्यों है? क्योंकि मौजूदा समय में शायद ही कोई राजनीतिक पार्टी है, जिसका दामन भ्रष्टाचार के आरोपों से पूरी तरह पाक-साफ हो! जिस समय ईडी झारखंड की इस बरामदगी के सिलसिले में अपने दावे कर रही थी, लगभग उसी वक्त दिल्ली की शराब नीति संबंधी कथित घोटाले में गिरफ्तार प्रदेश के मुख्यमंत्री की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा था। फिर इलेक्टोरल बॉन्ड के खुलासे को कितने दिन बीते हैं? इसलिए भी शायद मतदाता इस विषय को लेकर उदासीन है। इस उदासीनता की एक वजह राजनेताओं के मुकदमों के निपटारे में देरी भी है। सीएसडीएस के सर्वे भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि भ्रष्टाचार वोटरों की चिंता में नीचे है।

मगर यह उदासीनता और यह प्रवृत्ति झारखंड ही नहीं, समूचे देश के गरीबों व आम आदमी के लिए खतरनाक है। बताने की जरूरत नहीं कि भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी कीमत उन्हें ही चुकानी पड़ती है। गौर कीजिए, देश के 36 राज्यों व केंद्र शासित क्षेत्रों की साक्षरता सूची में झारखंड 32वें नंबर पर है और नीति आयोग के मुताबिक, तीन सबसे अधिक गरीब आबादी वाले प्रदेशों में यह भी शामिल है। ऐसे में, भ्रष्टाचार से निपटने के लिए नागरिक जागरूकता की सबसे अधिक आवश्यकता है। यहां सवाल जांच एजेंसियों की दक्षता का भी है। प्रवर्तन निदेशालय अब तक कितने राजनेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले को आखिरी अंजाम तक पहुंचा सका है? सिर्फ सुर्खियां बटोरने और सनसनी पैदा करने से किसी एजेंसी की प्रतिष्ठा नहीं बनती। उसकी निष्पक्षता और प्रतिबद्धता लोगों की नजरों में अंतिम परिणाम से ही स्थापित होगी। ईडी को झारखंड के ताजा मामले की जांच तेजी से करनी चाहिए। एक गरीब प्रदेश के मंत्री के करीबियों के पास इतनी दौलत कहां से आई? इसकी जड़ तक पहुंचना बहुत जरूरी है। भ्रष्टाचार के प्रति बढ़ती उदासीनता को तोड़ने के लिए भी प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए।

विमान सेवाओं पर आए दिन मंडराते संकट के बादल

सरस चंद्र त्रिपाठी, पूर्व मेजर व विमानन विशेषज्ञ

पायलटों, सहायक स्टाफ की कमी, सीमित बुनियादी ढांचे आदि के कारण देश की ज्यादातर बड़ी विमानन कंपनियां तनाव में काम कर रही हैं। अभी ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जब विस्तारा एयरलाइन की एक के बाद दूसरी उड़ानें रद्द हो रही थीं। अब एअर इंडिया एक्सप्रेस की 70 से अधिक उड़ानें इसलिए रोकनी पड़ीं, क्योंकि मंगलवार की देर रात से उसके क्रू मेंबर अचानक 'बीमार' हो गए। यह बीमारी दरअसल विरोध जताने का उनका एक तरीका है। वे एअर इंडिया एक्सप्रेस और एअर इंडिया के विलय के खिलाफ हैं। उनका मानना है कि इससे उनके वेतन-भत्ते पर व्यापक असर पड़ सकता है। विस्तारा के साथ भी यही मामला था, एअर इंडिया के साथ उसके विलय को लेकर आपत्तियां हैं। हालांकि, एअर इंडिया एक्सप्रेस ने 'ऑपरेशनल कारणों से' सेवाएं रद्द होने की बात कही है।

असल में, जब से टाटा समूह ने एअर इंडिया को अपने अधीन लिया है, तब से किसी न किसी वजह से यह समूह सुर्खियों में है। ताजा घटनाक्रम में घरेलू ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को भी रद्द करना पड़ा। इस प्रकार जब अचानक उड़ानें रद्द होती हैं, तो अनेक लोगों की नौकरियों पर बन आ सकती हैं, कुछ लोगों तक जरूरी इलाज नहीं पहुंच सकता है और कुछ मनोरंजन या अपने अन्य उद्देश्यों से दूर हो सकते हैं। यानी, जीवन-मरण के प्रश्नों से लेकर पर्यटन शादी, नौकरी तक के मामले इससे जुड़े हो सकते हैं। यही कारण है कि उड़ानों का रद्द होना निजी ही नहीं, राष्ट्र के लिए भी नुकसानदेह होता है।

संगठनात्मक दृष्टि से टाटा समूह के पास इस समय चार एयरलाइंस हैं, जिनमें एअर इंडिया को उसने भारत सरकार से खरीदा है। इसके अलावा, उसके पास विस्तारा, एअर इंडिया एक्सप्रेस और एयर इंडिया एक्सप्रेस कनेक्ट (एअर एशिया) है। टाटा ने इन चारों सेवाओं के आपस में विलय की योजना बनाई है, लेकिन कर्मचारियों, पायलटों व उनकी यूनियनों के साथ प्रबंधन के टकराव के कारण यह कार्य काफी कठिन होता जा रहा है। इसमें विस्तारा एयरलाइन को प्रीमियम सेवा माना जाता है और उसके कर्मियों का वेतन काफी अच्छा है। जबकि, एअर एशिया की हालत काफी खराब है, इसलिए उसके कर्मियों के वेतन-भत्ते काफी कम हैं। दिक्कत यह है कि जब कंपनियों का विलय होता है, तो तमाम स्तरों पर समानता का प्रयास किया जाता है। टाटा की मुश्किलों की यही जड़ है। जिनको ऊंचा वेतन मिलता है, उनको वेतन-कटौती का डर सता रहा है, इसलिए विरोध की आवाजें उठ रही हैं। विमानन कंपनी और सरकार इस मसले को सुलझाने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन ध्यान देने वाली बात यह है कि ऐसे किसी घटनाक्रम में यात्रियों को परेशानी नहीं होनी चाहिए, लेकिन यहां इसके उलट ही हो रहा है। ऐसे में, कोई यात्री आखिर क्या करे? इसके लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशक ने कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मसलन, यदि दो घंटे के अंदर यात्री चाहे, तो दूसरी फ्लाइट में अपने गंतव्य के लिए टिकट ले सकता है। इसी तरह, विमानन कंपनी का भी यह फर्ज है कि वह अगली फ्लाइट में यात्री को जगह देने का प्रयास करे। दूसरा, यदि यह संभव नहीं है, तो यात्रियों के लिए भोजन-ठहरने की उचित व्यवस्था करनी चाहिए और किसी दूसरी फ्लाइट से जल्द ही उनको गंतव्य की ओर भेजना चाहिए या पैसे रिफंड का विकल्प उनको देना चाहिए। यदि यात्री रिफंड लेता है, तो उसे दोगुना रिफंड का प्रावधान है, इसलिए अधिकांश विमानन कंपनियां यात्रियों को किसी दूसरे विमान से ही भेजने का प्रयास करती हैं।

ताजा घटनाक्रम बताता है कि भारत में विमानन उद्योग अब भी परिपक्व नहीं हो सका है। ऐसे सामूहिक रूप से 'बीमार' हो जाने के विरुद्ध सरकार को कानून बनाना चाहिए। पायलटों, बैकअप स्टाफ की कम संख्या, सीमित बुनियादी ढांचे आदि के कारण भारत की ज्यादातर बड़ी विमानन कंपनियां तनाव में काम कर रही हैं, जिस कारण उड़ानों के अचानक रद्द होने या उनमें अघोषित देरी जैसी समस्याओं से यात्री जूझते रहते हैं। यह स्थिति तब और गंभीर नजर आती है, जब आंकड़े बताते हैं कि देश की शीर्ष पांच विमानन कंपनियों में से चार हर साल करोड़ों रुपये का घाटा सह रही हैं। इसका अर्थ है कि पूरे विमानन उद्योग में ही व्यापक सुधार की तरफ हमें बढ़ना होगा। उड्डयन क्षेत्र में विश्व स्तरीय परवाज के लिए भारत को अब कठोर कदम उठाने ही होंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

नजरिया

“ यह आम चुनाव वास्तव में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच ही है, यहां माकपा सीटें जीतने से कहीं ज्यादा अपना वोट प्रतिशत बढ़ाने की सियासी लड़ाई लड़ रही है।

बंगाल में खोई जमीन तलाशता वाम मोर्चा

जयंत घोषाल, वरिष्ठ पत्रकार

एक समय था, जब भारत की राजनीति में वाम दलों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हुआ करती थी। दिल्ली में आज भी अरुणा आसफ अली रोड है। अरुणा आसफ अली दिल्ली नगर निगम की पहली 'चेयरपर्सन' चुनी गई थीं। वह अपने दौर की काफी बड़ी वामपंथी नेता थीं। पश्चिम में महाराष्ट्र के श्रीपाद अमृत डांगे से लेकर तेलंगाना, आंध्र जैसे दक्षिणी प्रदेशों में, बल्कि पूरे देश में वाम नेताओं की जनता पर अच्छी पकड़ थी, केरल में तो खैर आज भी है।

ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ जब कांग्रेस देश की आजादी की लड़ाई लड़ रही थी, तब उसके भीतर ही वामपंथी और दक्षिणपंथी, दोनों तरह की सोच रखने वाले गुट सक्रिय थे। दक्षिणपंथी गुट के श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कांग्रेस से बाहर निकलकर जनसंघ की शुरुआत की, जबकि ईएमएस नंबूदिरीपाद आदि बहुत सारे नेताओं ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का दामन थाम लिया। मगर आगे चलकर वामपंथ में अंदरूनी विभाजन हुआ और आहिस्ता-आहिस्ता वाम नेताओं की पकड़ कमजोर पड़ती गई। सिर्फ पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और केरल में उनका कुछ आधार कायम रहा। केरल में आज भी उनकी सरकार है, पर पश्चिम बंगाल व त्रिपुरा में वाम मोर्चे की हालत खराब है। स्थिति यह है कि त्रिपुरा में भाजपा लगातार दूसरी बार सत्ता में आ गई है, वहीं पश्चिम बंगाल में लगभग साढ़े तीन दशक तक राज करने वाली माकपा और उसकी सहयोगी वाम पार्टियां बिल्कुल हाशिये पर चली गई हैं।

साल 2021 के विधानसभा चुनाव में वाम मोर्चे ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था, उन्होंने 'इंडियन सेक्युलर फ्रंट' नाम की एक मुस्लिम पार्टी को भी इस गठबंधन का हिस्सा बनाया। नतीजा यह हुआ कि इंडियन सेक्युलर फ्रंट का तो एक उम्मीदवार इस चुनाव में कामयाब रहा, पर वाम दलों और कांग्रेस का एक भी प्रत्याशी चुनाव जीत न सका। ऐसे में, आज का सबसे बड़ा सवाल यही है कि इस आम चुनाव में वाम मोर्चे, खासकर माकपा की क्या रणनीति है?

कोलकाता में अलीमुद्दीन स्ट्रीट पर माकपा का मुख्यालय है। यहीं पर पार्टी के वरिष्ठ नेता विमान बोस रहते हैं। मोहम्मद सलीम सीपीएम के राज्य सचिव बनाए गए हैं। पार्टी में यह बेहद अहम पद है। ऐसे में, सवाल उठता है कि आखिर इतने वर्षों के बाद मुस्लिम समाज के एक नेता को माकपा ने क्यों राज्य सचिव बनाया? इसके पहले मुजफ्फर अहमद, जिनको प्यार से कॉमरेड 'काका बाबू' पुकारते थे, को इतना सम्मान मिला था। काका बाबू पार्टी के संस्थापक सदस्य थे। काका बाबू के बाद हमेशा बंगाली हिंदू ही सीपीएम के नेता बनते रहे हैं।

यह कोई ढकी-छिपी बात नहीं है कि पश्चिम बंगाल में लगभग 30 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं और भाजपा वहां आक्रामक हिंदुत्व का कार्ड खेल रही है। इस कार्ड ने उसे यहां जबर्दस्त कामयाबी भी दिलाई है। याद कीजिए, एक समय था, जब भाजपा कोलकाता नगर निगम चुनाव में महज दो सीट जीत सकी थी, तब लालकृष्ण आडवाणी ने खुशी जाहिर करते हुए बाकायदा बयान दिया था कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सूबे में हमारा खाता खुल गया है। कोलकाता में भाजपा कार्यकर्ताओं ने खूब गुलाल उड़ाए थे, मानो कोई बड़ी जीत मिली है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पार्टी की सफलता का आलम यह है कि पिछले आम चुनाव में राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 18 पर जीत हासिल करके भाजपा ने न केवल सबको चौंका दिया, बल्कि अब वह विधानसभा में मुख्य प्रतिपक्ष है।

साफ है, बंगाल में सीपीएम की जगह भाजपा ने हथिया ली है। मोदी का राष्ट्रीय नेतृत्व का अपना आभामंडल तो है ही, राज्य में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी और राज्य भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, दोनों काफी मेहनत भी कर रहे हैं। माकपा को यह लगने लगा है कि इंडियन सेक्युलर फ्रंट और कांग्रेस के साथ गठजोड़ करने से भाजपा को ही फायदा होता है, क्योंकि उसका हिंदू वोट भाजपा को और मुस्लिम आधार इंडियन सेक्युलर फ्रंट को ट्रांसफर होने लगा है, लिहाजा इस आम चुनाव में उसने कोई गठबंधन नहीं किया। अलबत्ता, उत्तरी बंगाल में उसने कांग्रेस के साथ सीटों का तालमेल जरूर किया है।

पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चे की दुविधा यह है कि वह अपना सबसे बड़ा शत्रु किसको माने? स्वाभाविक राजनीतिक दुश्मन तो तृणमूल कांग्रेस ही है, क्योंकि ममता ने ही उसको सत्ता से बेदखल किया। माकपा इस बात को भूल नहीं सकती। फिर संदेशखाली की घटना से लेकर ममता सरकार में सामने आए भ्रष्टाचार के मुद्दों, मंत्रियों की गिरफ्तारी को भाजपा जितने जोर-शोर से उठा रही है, उन पर भी माकपा खामोशी नहीं बरत सकती, क्योंकि इससे उसकी विपक्ष की भूमिका प्रभावित होती है और यदि वह आक्रामक विरोध करती है, तो भाजपा विरोधी नैरेटिव को नुकसान पहुंचता है। 2019 और 2021 में माकपा की आंतरिक रणनीति थी कि 'पहले राम बाद में वाम।' यानी राज्य में अभी भाजपा को मजबूत होने दो, बाद में हम उसे हटाएंगे, फिलहाल ममता से निपटना जरूरी है।

मगर इस रणनीति को लेकर इस बार माकपा में मतभेद उभर आया। इस रणनीति के विरोधियों का कहना है कि यदि एक बार भाजपा कोलकाता की सत्ता पर काबिज हो गई, तो अगले तीस वर्षों तक माकपा के लिए सत्ता में लौटना सपना हो जाएगा। इसलिए माकपा दिग्भ्रमित है कि उसका मुख्य दुश्मन कौन है? उसकी एक बड़ी परेशानी यह भी है कि कार्यकर्ता-स्तर पर ममता विरोधी अधिक हैं, जबकि ऊपरी स्तर पर भाजपा के मुखालिफ नेता अधिक हैं। वे सांप्रदायिक मुद्दों को कहीं अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं। लिहाजा इस बार यह देखने वाली बात होगी कि माकपा किसके वोट काटती है? पिछले चुनाव में उसका वोट प्रतिशत घटा था और भाजपा को इसका फायदा मिला था। अगर इस बार सीपीएम कुछ वापसी करती है और हिंदू वोटों को अपनी तरफ खींचती है, तो इससे भाजपा का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। इसी तरह, सीएए के बाद मुस्लिम वोट कितना माकपा को मिलता है, यह भी देखने की बात होगी, क्योंकि इस कानून से घबराए मुसलमानों के तृणमूल के पक्ष में लामबंद होने की सूचनाएं मिल रही हैं। जाहिर है, यह चुनाव तो ममता बनाम भाजपा ही है, वाम मोर्चा सिर्फ वोट प्रतिशत बढ़ाने और अपनी खोई जमीन वापस पाने के लिए लड़ रहा है।

(ये लेखक के विचार हैं)

क्या अपना रुतबा खुद ही गिरा रहा अमेरिका

नितिन पई, निदेशक, तक्षशिला संस्थान

हमने 2000 के दशक का काफी समय यह बहस करते हुए बिताया कि भारत को अमेरिका के अनुरूप विदेश नीति में निर्णायक बदलाव क्यों करना चाहिए? तब शीत युद्ध की छाया खत्म नहीं हुई थी और पाकिस्तान के युद्ध को अमेरिकी समर्थन की यादें हमारे रणनीतिकारों के दिमाग में जिंदा थीं। साल 1998 में परमाणु परीक्षणों के बाद अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने सोच में बदलाव की शुरुआत की थी और बाद में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह परमाणु समझौते के रूप में एक बड़ी कामयाबी की ओर बढ़े थे। तब नई दिल्ली में कैबिनेट मंत्रियों से लेकर युवा अधिकारियों को भी अमेरिका-भारत रिश्ते पर संदेह था और उनका तर्क था कि एक महाशक्ति के साथ साझेदारी से भारत की रणनीतिक स्वायत्तता कमजोर पड़ जाएगी। सुरक्षा विशेषज्ञ के सुब्रमण्यम को छोड़कर बहुत कम ही लोग इस बात से सहमत थे कि अमेरिका के साथ घनिष्ठ गठजोड़ भारत के हित में है।

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के कार्यकाल के अंत में अमेरिकी शक्ति की गिरावट की बात करना वाशिंगटन में एक फैशन बन गया था। इससे बराक ओबामा को भी अपने चुनाव अभियान में मदद मिली थी। पत्रकार फरीद जकारिया ने तो अमेरिका के घटते रुतबे और शेष दुनिया की बढ़ती हैसियत पर साल 2008 में एक किताब लिख डाली थी। यह बात नई दिल्ली को भी बहुत अनुकूल लगी थी, क्योंकि एशिया की ओर होने वाले वैश्विक शक्ति संतुलन में यह अनुमानित बदलाव अच्छी खबर थी। हालांकि, यही तर्क देते हुए मैंने खुद को अक्सर अलग-थलग पाया कि पतनवाद दशकों से अमेरिका का पसंदीदा शगल बना हुआ है।

मैंने इसके तीन कारण बताए कि क्यों अमेरिका में गिरावट की आशंकाओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया? सबसे पहले, अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था को उन गंभीर गलतियों से उबरने के लिए डिजाइन किया गया है, जो उसके नेता करते आए हैं। दूसरा, अमेरिका का उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र बहुत बेहतरीन है और तीसरा, यह लंबे समय से दुनिया के प्रतिभाशाली और उद्यमशील लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा है। मेरा मानना है कि जब तक अमेरिका की ये तीनों विशेषताएं कायम रहेंगी, वह दुनिया की प्रमुख शक्ति बना रहेगा। हालांकि, विशेषकर पिछले 15 वर्षों में यह बहुत चौंकाने वाली बात है कि कैसे अमेरिका ने अपने इन अनिवार्य स्तंभों को गंभीर नुकसान पहुंचाया है।

अमेरिका की गिरावट के तीन कारणों में से पहले पर विचार कीजिए : राजनीतिक लचीलापन। जब कभी लगा कि अमेरिकी नीतियां विफल हो गईं, बार-बार चुनाव, राष्ट्रपति कार्यकाल की सीमा, नीतिगत प्रतिकूलता और संस्थागत ताकत ने अमेरिकी व्यवस्था के लिए नीतियां बदलने के हालात पैदा किए। सभी राजनेताओं और सरकारों से गलतियां होती हैं, पर हर व्यवस्था अपनी खामियों को स्वीकार नहीं कर सकती। माओत्से तुंग और उनकी नीतियों को आज भी चीन में आधिकारिक तौर पर गलती के रूप में नहीं देखा जाता, पर राष्ट्रपति आइजनहावर से लेकर बाइडन तक अमेरिका द्वारा की गई गलतियों पर न सिर्फ चर्चा होती है, बल्कि सुधार के उपाय भी किए जाते हैं। फिर भी, पिछले दशक में, अत्यधिक पक्षपात ने इस स्व-सुधार तंत्र को खत्म कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने खुद को एक विश्वसनीय मध्यस्थ की भूमिका से घटाकर सिर्फ एक अन्य खिलाड़ी तक सीमित कर लिया है। अमेरिकी कांग्रेस काम करती नहीं दिखती है। नतीजतन, आज यह देश पिछले दशकों की तुलना में ज्यादा दबाव में है।

इसी तरह, अमेरिकी विश्वविद्यालय व्यवस्था बेशक दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है, पर यह खुद के गहरे संकटों में फंसती जा रही है। इन दिनों कैंपस में चल रहे विरोध-प्रदर्शन उन विरोधाभासों को जाहिर कर देते हैं, जिनको अमेरिकी विश्वविद्यालयों ने पिछले दशक में अपनाया है। बड़े-बड़े दानदाता एवं पूर्व छात्र समूह शक्तिशाली हो गए हैं, तो उन्होंने शैक्षणिक स्वतंत्रता खत्म कर दी है, जो शिक्षा का सबसे जरूरी पहलू है। तीसरी वजह, अवैध आप्रवासन से निपटने के विवादास्पद तरीके के बावजूद अमेरिका आज भी अन्य देशों से उच्च गुणवत्ता वाली मानव पूंजी हासिल करने की क्षमता रखता है। यह एक ऐसा फायदा है, जो उसके कुछ ही प्रतिद्वंद्वियों के पास है।

(ये लेखक के विचार हैं)

झूठ फैलाने का आरोप

देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के पूर्व तथा वर्तमान कुलपतियों समेत तकरीबन दो सौ शिक्षाविद् ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चिट्ठी लिखी है जिसमें उनके एक बयान के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस खुली चिट्ठी में विश्वविद्यालय के प्रमुख पद की नियुक्ति प्रक्रिया पर कांग्रेस नेता पर झूठ फैलाने का आरोप है। राहुल के दावों को खारिज करते हुए उन्होंने दावा किया कि कुलपतियों के चयन की प्रक्रिया पारदर्शी है जिसमें योग्यता, विद्वत विशिष्टता और निष्ठा के मूल्य समाहित हैं। यह विवाद राहुल के आरोप के बाद पैदा हुआ। उनके अनुसार शैक्षणिक संस्थानों में नियुक्ति में हिन्दूवादी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्धता प्रमुख आधार है।

यह विवाद ऐसे वक्त पैदा हुआ है, जब लोक सभा के चुनाव चल रहे हैं। कहना गलत नहीं है कि कुलपतियों की नियुक्ति सत्ताधारी दलों के हितों पर ही केंद्रित रही है। कुलपति ही नहीं, शिक्षकों के चयन में भी वैचारिक झुकाव को प्राथमिकता दी जाती है। फिर भी शैक्षणिक संस्थानों के उच्च पदों पर बैठे लोगों से उम्मीद की जाती है कि निजी राय को सार्वजनिक करने से बचें। मोदी सरकार के सत्ता में आने से पूर्व आरोप लगते थे कि वामपंथी विचारधारा वालों को तरजीह दी जाती है। चुनाव के दरम्यान राजनीतिक दल और राजनेता एक-दूसरे पर कटाक्ष करने से नहीं चूकते। यह लोकतंत्र है, यहां सारा इख्तियार जनता जनार्दन के हाथ में होता है। बावजूद इसके समझदारी यही है कि सार्वजनिक रूप से कमर के नीचे वार करने से बचा जाए। जब तक हाथ में किसी तरह के साक्ष्य न हों, आरोप-प्रत्यारोप से बचने का प्रयास होना चाहिए। बीते हफ्ते ही एक नामी निजी विश्वविद्यालय के छात्रों का प्रदर्शन मखौल बन गया। हमारे शिक्षण संस्थान अपना स्तर उठाने की बजाय बेतुके कारणों से चर्चा का केंद्र बन रहे हैं। यदि संस्थानों के शीर्ष पदाधिकारी अपने सम्मान की रक्षा के लिए उचित कदम नहीं उठाएंगे तो छात्रों के समक्ष बेहतरीन उदाहरण पेश करने में असफल कहलाएंगे परंतु अपवादस्वरूप इन आरोपों में तनिक भी सच्चाई है और इन उच्च और सम्मानित पदों के बंटवारे में पक्षपात हुआ है, तो यह नौजवानों को गलत संदेश देने वाला साबित हो सकता है। बेहतर होता कि शिक्षाविद विश्व की विश्वविद्यालय क्रम-सूची में आने के प्रयास करते नजर आते, नकि अपनी निष्ठा किसी दल विशेष या राजनेता में जताने की मशक्कत में एकजुट होते।

चुनाव में चंद सूबे कर देंगे फैसला

नारायण रामचंद्रन, वित्त विशेषज्ञ व उद्यमी

कुछ राज्य हैं, जहां लगभग आधे क्षेत्रों में हार-जीत का अंतर बहुत कम रहेगा और इसी से तय होगा कि एक दल के बहुमत वाली सरकारों की प्रवृत्ति बनी रहती है या उलट जाती है। भारत 18वीं लोकसभा के चुनाव के बीच पहुंच गया है। आजादी के बाद हुए पहले आठ लोकसभा चुनावों में जीतने वाली पार्टी के पास सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत से ज्यादा सीटें हुआ करती थीं। साल 1967 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को बहुमत से 22 सीटें ज्यादा मिली थीं, जबकि साल 1984 में कांग्रेस के ही राजीव गांधी की झोली में बहुमत से 143 सीटें ज्यादा आई थीं।

वैसे, कुल लोकसभा सीटों की संख्या भी समय के साथ बदलती रही है, साल 1951 में हुए पहले चुनाव के लिए 489 के निचले स्तर से लेकर वर्तमान 543 सीटों तक। साल 2009 में नौवें से लेकर 15वें आम चुनाव तक, जीतने वाली पार्टी बहुमत से दूर रही थी, साल 2004 में मनमोहन सिंह कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के प्रधानमंत्री बने, तब कांग्रेस के पास बहुमत से 127 सीटें कम थीं, जबकि साल 1991 में जब पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री बने, तब कांग्रेस के पास बहुमत से 24 सीटें कम थीं। किसी एक पार्टी के पास अगर बहुमत न हो, तो जाहिर है, गठबंधन सरकारों की जरूरत पड़ती है। खैर, साल 2014 और 2019 के आम चुनाव में प्रारूप बदल गया, जब भारतीय जनता पार्टी को बहुमत के आंकड़े से क्रमशः 10 और 31 सीटें ज्यादा हासिल हुईं।

अब लोकसभा चुनाव 2024 में क्या भाजपा या कांग्रेस संसद में बहुमत से ज्यादा सीटें हासिल करने वाली किसी एक पार्टी की परंपरा को बरकरार रखेगी? बहुमत के लिए जरूरी सीटों से ज्यादा सीटें पाने का कारनामा यही दो पार्टियां कर सकती हैं, क्योंकि केवल यही दो हैं, जो बहुमत के लिए जरूरी 272 सीटों से अधिक पर चुनाव लड़ रही हैं। भाजपा उम्मीदवारों ने 446 निर्वाचन क्षेत्रों में और कांग्रेस नेताओं ने 327 निर्वाचन क्षेत्रों में पंजीकरण कराया है। सांख्यिकीय रूप से अगर देखें, तो अकेले दम पर कांग्रेस को बहुमत का आंकड़ा पार करने के लिए 82 प्रतिशत सीटें जीतनी होंगी। ऐसे में, फिलहाल कांग्रेस के लिए अकेले दम पर बहुमत से आधी सीटें भी जीतने की संभावना कम लगती है। उम्मीदवारों के मामले में इस समय तीसरी सबसे बड़ी पार्टी सपा है, जो 62 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। बसपा ने अभी तक अपने उम्मीदवारों की पूरी सूची की घोषणा नहीं की है, बहु-चरणीय चुनाव में राजनीतिक दलों को यह सुविधा मिलती है।

दुनिया भर में अनेक प्रकार की मतदान प्रणालियां हैं। ब्रिटेन की तरह ही भारत 'फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट सिस्टम' (एफपीटीपी) का इस्तेमाल करता है। यह शब्द घुड़दौड़ के संदर्भ में आता है, जहां पोस्ट या विजय रेखा को पार करने वाला पहला घोड़ा एकमात्र विजेता होता है, चाहे वह सिर्फ नाक भर आगे रहा हो या मील भर आगे। सबसे अधिक वोट पाने वाला उम्मीदवार ही जीतता है, भले ही उस व्यक्ति का मत प्रतिशत डाले गए कुल मतों के आधे से भी कम हो और ऐसा अक्सर होता है, जब मैदान में दो से ज्यादा उम्मीदवार उतरते हैं।

साल 2019 के चुनावों में 224 संसदीय क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवारों को 50 प्रतिशत से ज्यादा मतदाता हिस्सेदारी के साथ जीत हासिल हुई थी। इन 224 सीटों में से ज्यादातर पांच राज्यों, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात में हासिल हुई थीं। इन पांच राज्यों में कुल मिलाकर 200 लोकसभा सीटें पड़ती हैं। गुजरात को छोड़ दीजिए, तो शेष राज्यों में इस बार भाजपा अपेक्षाकृत कम जोर लगा रही है, उसका चुनावी अभियान महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा जैसे अन्य राज्यों में ज्यादा जोर-शोर से चला है।

दूसरी ओर, साल 2019 के लोकसभा चुनाव में, गैर-भाजपा दलों ने कुल 117 निर्वाचन क्षेत्रों में आधे से अधिक वोट हासिल किए थे, जिनमें तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की सीटें शामिल थीं। इन चुनावों के नतीजों की भविष्यवाणी करने का एक तरीका यह है कि भाजपा को उसकी 224 सुरक्षित सीटें दे दी जाएं और गैर-भाजपा दल अपनी 117 मजबूत सीटें ले लें। शेष 202 निर्वाचन क्षेत्रों को विश्लेषण में 'स्विंग सीट' के रूप में गिना जाए। वैसे, ऐसे विश्लेषण के दो कारणों से गलत परिणाम हो सकते हैं। एक, जरूरी नहीं कि पिछले चुनाव का इतिहास दोहराया जाए। दूसरा, राज्य स्तर पर सियासी समर्थन या विरोध की स्थिति कुछ राज्यों में बदली हुई दिखती है। मिसाल के लिए, उत्तर प्रदेश में पिछले चुनाव में सपा और बसपा के बीच का गठबंधन टूट गया है और सपा ने इंडिया ब्लॉक में शामिल होकर कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया है। बिहार में नीतीश कुमार के जनता दल (यूनाइटेड) को एनडीए में 16 सीटें आवंटित की गई हैं और यह कहना अभी मुश्किल है कि इस बार नतीजे क्या आने वाले हैं। महाराष्ट्र में देखें, तो अब वहां पर दो शिवसेना और दो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी हैं। इस बात पर गरमागरम बहस चल रही है कि मतदाता महाराष्ट्र में किसे पसंद करेंगे। पार्टियों के मूल संस्करण लोगों को पसंद आएंगे या नए संस्करणों को ज्यादा वोट मिलेंगे?

बहरहाल, हर सीट का अपना महत्व है और यह मायने नहीं रखता कि सीट किस राज्य से आ रही है। 17 राज्य ऐसे हैं, जहां 10 से अधिक लोकसभा सीटें हैं, सीटें कुल मिलाकर, 502 हो जाती हैं। तमाम राज्यों के बीच छह को 'स्विंग' राज्य के रूप में गिना जाता है। ये राज्य हैं- महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, पंजाब, छत्तीसगढ़ व हरियाणा। आप 2024 के लिए बिहार को इस सूची में जोड़ सकते हैं। ये असल युद्धभूमि हैं। वैसे, ये अमेरिकी अर्थों में 'स्विंग स्टेट्स' नहीं हैं, क्योंकि ये राज्य एक अकेले विजेता के खाते में नहीं जाते हैं और यहां अनेक सीटों पर जीत-हार का फैसला वोट के कम अंतर से होता है।

उम्मीदवारों के साथ-साथ स्थानीय कारक भी हार-जीत में काम करते हैं। इन छह 'स्विंग' राज्यों में कुल 152 सीटें हैं और बिहार को जोड़ दें, तो 192 सीटें हैं। मेरे अनुमान के अनुसार, इनमें से लगभग आधे क्षेत्रों में हार-जीत का अंतर बहुत कम रहेगा और इसी हार-जीत से यह तय होगा कि एक दल के बहुमत वाली सरकारों की हालिया प्रवृत्ति कायम रहती है या उलट जाती है। मुमकिन है, अनेक सीटों पर बहुत मामूली अंतर से पलड़ा इधर या उधर झुक जाए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

परशुराम जन्मोत्सव पर्व में शामिल हो सर्व विप्र समाज- रामचंद्र

रायगढ़। विप्र समाज के सबसे बड़े उत्सव भगवान विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव में शामिल होने के लिए विप्र फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र शर्मा ने सभी विप्र समाज से अपील की है। विप्र फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र शर्मा ने बताया कि रायगढ़ में विप्र समाज की स्थानीय संस्था के माध्यम से हर वर्ष भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है। इस वर्ष भी अक्षय तृतीया 10 मई शुक्रवार को शाम 4 बजे से भगवान परशुराम मंदिर से शोभायात्रा निकाली जाएगी जो पूरे शहर में भ्रमण करेगी। इस दौरान भक्त गणों के द्वारा जलपान और स्वागत की व्यवस्था भी की गई है। इस पावन अवसर पर विप्र फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र शर्मा ने सम्पूर्ण विप्र समाज से अपील की है कि इस शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दें। और भगवान परशुराम जी के बताए आदर्शों पर चलकर देश सेवा करें।

भू-जल स्त्रोतों, भू भौतिकी जांच और बोरवेल डग के संबंध में कलेक्टर ने की समीक्षा बैठक

धमतरी। जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन संरचनाओ के निर्माण और भू-जल स्त्रोंतो के वास्तविक स्थिति के आंकलन के उद्देश्य से आज कलेक्टर नम्रता गांधी ने सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड एवं एनआईटी रायपुर के विषय विशेषज्ञों की टीम के साथ में विस्तृत चर्चा की। कलेक्टोरेट के एनआईसी कक्ष में आयोजित इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री रोमा श्रीवास्तव, कार्यपालन अभियंता जल संसाधन श्री आर.एल.देव, उप संचालक कृषि श्री मोनेश साहू, जिला खाद्य अधिकारी श्री बसंत कोर्राम, डीआईओ श्री उपेन्द्र सिंह चन्देल, सेंट्रल ग्राउंड वॉटर बोर्ड की वैज्ञानिक श्रीमती प्रियंका सोनबरसे, श्री रजनी कान्त शर्मा, श्री मुकेश आनंद, एनआईटी रायपुर से डॉ. डी सी झारिया, डा चन्दन सिंह, डॉ प्रियंका त्रिपाठी, डॉ. मृदु साहू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने जिले के सभी भू-जल स्त्रोंतो भू भौतिकी जांच और बोरवेल डग एवं अन्य रीचार्ज स्ट्रक्चर की विस्तृत सर्वे के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही जिले की भू-जल ग्रहण क्षमता के संवर्धन हेतु आवश्यक स्ट्रक्चरो पर भी सुझाव मंगाया गया।

विश्व रेडक्रॉस दिवस का हुआ आयोजन

रायगढ़। रेडक्रॉस के जनक सर हेनरी ड्यूनॉट के जन्म दिवस पर 8 मई को विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन कार्यालय भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा रायगढ़ में किया गया। कार्यक्रम के आरंभ डॉ.बी.के.चन्द्रवंशी सचिव/मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा रायगढ़ एवं डॉ.एच.एस. उरांव प्रभारी अधिकारी एवं उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा सर हेनरी ड्यूनॉट एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना से किया गया। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित संतोष अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक सदस्य रेडक्रॉस रायगढ़ द्वारा रेडक्रॉस रायगढ़ की मानव कल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी। डॉ.उरांव ने रक्तदान शिविर, जिला दिव्यांगजन पुर्नवास का संचालन, आशा निकेतन वृद्धाश्रम का संचालन, एअर बेड, वाटर बेड की आदि रेडक्रॉस द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी एवं सदस्यता अभियान पर विस्तृत चर्चा की गई।

यूनिसेफ के सहयोग से पहले पढ़ाई फिर विदाई नारे के साथ बुलंद हुआ अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा । कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग वरुण नागेश के मार्गदर्शन में यूनिसेफ के सहयोग से जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह की संभावनाओं को देखते हुए, किशोर सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए बाल विवाह रोकथाम पखवाड़ा का आयोजन किया गया।

यह पखवाड़ा 25 अप्रैल से 10 मई तक चलेगा। जिसके तहत यूनिसेफ के युवोदय वालंटियर्स द्वारा पहले पढाई फिर विदाई नारों के साथ जिले के सभी पंचायतों एवं शहरी क्षेत्रों के सामाजिक समारोह ,शासकीय कार्यक्रमों, हाट-बाजारों तथा भीड़-भाड़ वाले स्थानों में बैनर पोस्टर लगाकर रैली, नुक्कड़-नाटक, माईकिंग, दीवारों पर नारा लेखन, रंगोली एवं सुपोषण चौपाल के माध्यम से लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

इस अभियान के माध्यम से लोगों को बताया जा रहा है कि, बाल-विवाह केवल एक सामाजिक बुराई नहीं अपितु कानूनन अपराध भी है। बाल-विवाह से बच्चों का सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास प्रभावित होता है। ज्ञात हो कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत बाल विवाह करने वाले वर एवं वधु के माता-पिता, सगे संबंधी, बाराती यहां तक विवाह करने वाले पुरोहित, पंडितों पर भी कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। बाल विवाह के कारण बच्चों में कुपोषण, शिशु मृत्यु-दर एवं माता-मृत्यु दर के साथ घरेलू हिंसा में भी वृद्धि होती है।

इस अभियान अंतर्गत यूनिसेफ के जिला समन्वयक विनोद साहू ने बताया कि, बाल-विवाह बच्चों के अधिकारों का अतिक्रमण करता है। बाल विवाह के कारण हिंसा, शोषण और यौन शोषण का खतरा बढ़ जाता है। उम्र से पहले शादी होने पर बच्चा-शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से वंचित तो होता ही है साथ ही नाबालिग होते हुए उनके गर्भवती होने और बच्चे को जन्म देने की स्थिति आ जाती है। इसका असर मां और शिशु के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। कुल मिलाकर बाल विवाह बच्चे का बचपन समय से पूर्व खत्म कर देता है। इस संबंध में आगामी 10 मई को अक्षय तृतीया पर बाल विवाह की संभावनाओं को देखते हुए, जिला प्रशासन पूरी तरह सजग है और बाल विवाह करने व करवाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के अनुसार लड़की की शादी 18 वर्ष व लड़के की शादी 21 वर्ष से पहले की जाती है तो, वह कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है और उसकी सूचना तुरंत प्रशासन के अमलों पंचायत स्तर पर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, शिक्षक, स्व सहायता समूह की महिलाओं, बाल संरक्षण समिति व शहरी क्षेत्रों में नजदीकी पुलिस थाना चौकी, तहसीलदार, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला व बाल विकास, सीडीपीओ, एसडीएम एवं पुलिस अधीक्षक के साथ चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, महिला हेल्पलाइन नंबर 181 और पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर भी दी जा सकती है।

ईवीएम स्ट्रांग रूम किया गया सील, कड़ी सुरक्षा के लिए सुरक्षा बल तैनात

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत जिले के तीनों विधानसभा में मतदान के पश्चात सभी मतपेटियों के आने के बाद कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ रवि मित्तल, अपर कलेक्टर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर व राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोडका चौरा जशपुर के स्ट्रांग रूम में मतपेटियों को सील कर दिया गया है।

जशपुर, कुनकुरी व पत्थलगांव विधानसभा की ईवीएम मशीन को कड़ी सुरक्षा के बीच शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोडका चौरा जशपुर में बनाए गए स्ट्रांग रूम लाया गया। स्ट्रांग रूम में जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव विधानसभावार ईवीएम एवं वीवीपैट रखी गई हैं। स्ट्रांग रूम की कड़ी सुरक्षा के लिए सुरक्षा बल तैनात हैं। स्ट्रांग रूम को सीसीटीवी की निगरानी में रखा गया है। जिसके लिए मॉनिटरिंग कक्ष भी बनाया गया है। जिले में मतदान संपन्न हो गया है एवं मतगणना 4 जून 2024 को शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोडका चौरा जशपुर में होगी। प्रशासन की ओर से स्ट्रांग रूम को सीसीटीवी की निगरानी में रखा गया है। जिसके लिए मॉनिटरिंग कक्ष बनाया गया है। इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ रवि मित्तल ने स्ट्रांग रूम, मतगणना स्थल और सीसीटीवी मॉनिटरिंग कक्ष का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

16 से शहर के विभिन्न मैदानों पर होगा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 16 मई से शहर के विभिन्न खेल मैदान पर आयोजित किया जा रहा है। उक्त 21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन प्रति वर्ष ग्रीष्म अवकाश पर किया जाता है। प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य अवकाश के समय बालक-बालिकाओं को अधिक से अधिक खेल मैदान की ओर आकर्षित कर उनमें खेल के प्रति रुचि जागृत करना है। शिविर के दौरान खिलाडियों को स्थानीय खेल संघों के वरिष्ठ खिलाड़ी एवं व्यायाम शिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। जिसमें खिलाडियों को खेल की बारिकियों से अवगत कराया जाएगा। हॉकी प्रशिक्षण केन्द्र पंडरीपानी एवं चोंडीमेटावाड़ा में, वालीबाल मारडूम, प्रियदर्शनी स्टेडियम एवं माड़पाल, बास्केटबाल, हेण्डबाल, फुटबाल, बेडमिंटन, जूडो-कराते प्रियदर्शनी स्टेडियम में, फुटबाल सिटी ग्राउंड, डिमरापाल एवं लालबाग ग्राउंड, कबड्डी लोहण्डीगुड़ा एवं क्रीड़ा परिसर, एथलेटिक्स प्रियदर्शनी स्टेडियम एवं धरमपुरा क्रीड़ा परिसर, कराते कर्मचारी भवन शहीद पार्क के पीछे जगदलपुर, शतरंज प्रियदर्शिनी स्टेडियम,स्केटिंग निर्मल विद्यालय के समीप और कबड्डी व एथलेटिक्स खेल विधाओं का प्रशिक्षण शिविर लोहण्डीगुड़ा में आयोजित किया जाएगा। सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण के अनुसार उक्त खेल प्रशिक्षण शिविर सुबह 6 बजे से साढ़े 7 बजे तक एवं संध्या 5 बजे से साढ़े 6 बजे तक सुविधानुसार लगाये जाएंगे। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले खिलाडियों को समापन अवसर पर प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाएंगे।

चंद्रप्रभ दिगंबर जैन में धार्मिक कक्षाओ में बच्चे बड़े सिख रहे है धार्मिक क्रियाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । 1008 चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन समाज मंदिर शंकर नगर,रायपुर में दिगंबर जैन धर्म जिनागम ज्ञान की धारा अविरल बहती रहे। इस निमित्त से मंदिर विगत 1 वर्ष से धार्मिक कक्षाएं चल रही है। चंद्र प्रभु जैन मंदिर के सदस्य आर्किटेक्ट इंजि. मनीष जैन ने बताया की धार्मिक कक्षाओं का उद्देश्य दिगंबर जैन धर्म की धार्मिक क्रियाएं जैसे अभिषेक ,शांति धारा,अष्ट द्रव्य पूजन,के साथ धर्म ग्रंथ की शिक्षा सभी समाज जन तक पहुंचना है। इन कक्षाओं में प्रथमानुयोग, करुणानुयोग, द्रव्यानुयोग आदि ग्रंथों का वाचन होता है। साथ ही स्वाध्याय ,शंका समाधान,जिनदेव पूजन विधि आदि की भी शिक्षा परम पूज्य संत शिरोमणि समाधिस्थ 108 आचार्य विद्यासागर जी महाराज के प्रभावक शिष्य आदरणीय ब्रह्मचारी सुनील भैया जी द्वारा दी जा रही है । उनके द्वारा प्रतिदिन नित्य नियम से प्रातः सुबह 7 बजे से जिन भगवान का प्रसूक जल से अभिषेक,शांति धारा पश्चात जैन ग्रंथो का अध्यन स्वाध्याय,ज्ञान अर्जन करवाया जा रहा है । जिसमे समाज के धर्म प्रेमी बंधुओ के अलावा बच्चे भी बढ़ चढ़ कर भाग ले रहे है। इन धार्मिक कक्षाओं में लगभग प्रतिदिन लगभग 100 लोग भाग ले रहे है जिसमे बड़े बच्चे सभी शामिल है। प्रतिदिन रात्रि में भी 08:30 बजे भी स्वाध्याय कक्षा आदरणीय ब्रह्मचारी सुनील भैयाजी (डीजीएम/बीएसएनएल) द्वारा संचालित की जाती है।आज की कक्षाओं में दिगंबर जैन बड़ा मंदिर से अध्यक्ष संजय नायक जैन सचिव राजेश रज्जन जैन,उपाध्यक्ष श्रेयश जैन बालू के साथ प्रवीण जैन मामा जी, सनत जैन,प्रणीत जैन,अमित गोइल,मनीष जैन,अजय जैन विपुल जैन विजय कस्तूरे एम एल जैन,सोनल जैन शैली जैन,विनिता जैन,स्मृति गोयल,माया जैन,के साथ बड़ी संख्या में महिलाए उपस्थित थी।

रेडक्रॉस का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण व सराहनीय : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर चन्द्रवाल ने कहा कि रेडक्रॉस का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय है। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस सोसाईटी के द्वारा कोरोना काल की विषम परिस्थिति में मरीजों को भोजन, दवाइंया एवं आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने जैसे अनेक पूनीत कार्य किया गया है। इसके अलावा रेडक्रॉस सोसाईटी के सदस्यों के द्वारा निक्षय मित्र बनकर 06 मरीजों को पोषण आहार देने जैसे कार्यों के अलावा स्वच्छता अभियान, यातायात, सड़क सुरक्षा अभियान में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कर जनहित के कार्यों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जाता है।

इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित लोगों को आज 08 मई विश्व रेडक्रास दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। कलेक्टर चन्द्रवाल ने देहदान करने वाली सेवानिवृत्त व्याख्याता एवं रेडक्रॉस सोसाईटी के आजीवन सदस्य कमला वर्मा के कार्यों को अत्यंत अतुलनीय बताते हुए उन्हें हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उनके प्रति उन्हें विनम्र आभार व्यक्त किया। कलेक्टर ने कमला वर्मा को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम को सीईओ जिला पंचायत डॉ. संजय कन्नौजे एवं इंडियन रेडक्रास सोसायटी जिला बालोद के अध्यक्ष डॉ. एमके सूर्यवंशी ने भी संबोधित कर रेडक्रॉस के कार्यों की भूरी-भूरी सराहना की। कार्यक्रम में विधानसभा आम निर्वाचन 2023 एवं लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के दौरान उल्लेखनीय कार्य करने वाले रेडक्रॉस के वालंटियरों को प्रशस्ति पत्र, कीट एवं बैग प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक जोशी एवं एसडीएम शीतल बंसल सहित रेडक्रॉस सोसाईटी के सदस्यों के अलावा अन्य अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा बड़ी संख्या में छात्र-छात्रा उपस्थित थे।

सीजन में लीची फल विक्रय से कृषक को हो रही 8 से 10 हजार की रोज आमदनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा । अपने आकर्षक रंगत और विशिष्ट स्वाद के बलबूते लीची के फल सदैव पसंद किये जाते रहे है। वैसे तो लीची एक उष्णकटिबंधीय सदाबहार फल है। इसमें कार्बोहाइड्रेट एंव कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा फास्फोरस, खनिज पदार्थ, प्रोटीन, विटामिन-सी आदि भी पाये जाते हैं। इन्हीं गुणों के कारण लीची के फल भारत ही नहीं बल्कि विश्व में अपना विशिष्ट स्थान बनाए हुए हैं।

इस क्रम में बदलते समय के साथ जिले के कुछ उन्नतशील कृषकों का रुझान परंपरागत फसलों के अलावा बागवानी फसलों की ओर भी हो रहा है और वे आधुनिक कृषि तकनीक के साथ अन्य बागवानी फसल से जुड़ रहे है। इनमें एक नाम मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर स्थित ग्राम पोरो कमेली निवासी 37 वर्षीय भीमा तेलाम का भी है। जिनके लगभग 2 एकड़ के भूमि में चटख फलों से लदे हुए लीची के पेड़ आने जाने वालों के लिए सहज ही आकर्षण का केंद्र है, और इस सीजन में बीमा के लिए अतिरिक्त आमदनी का जरिया बन चुके है। इस संबंध में भीमा बताते है कि लीची एक मीठा स्वादिष्ट फल है, जिसका छिलका लाल रंग का पाया जाता है। जिसके अंदर सफेद रंग का गूदा होता है जो बहुत ही मीठा होता है। उन्होंने आगे बताया कि 15 वर्ष पहले 10-12 लीची के पौधे बाहर से लाए थे और प्रायोगिक तौर पर अपनी भूमि में लगाकर भली-भांति देखरेख किया।

फलस्वरूप 7 वर्ष के पश्चात लीची के पेड़ में फल आना प्रारंभ हुआ जिसे उन्होंने स्थानीय बाजारों में विक्रय करना शुरू किया और उन्हें शुरुआत में मई-जून के दो महीने में ही 60-80 हजार रुपए से ज्यादा की कमाई हुई और अब तो स्थिति यह है कि वे रोज सुबह अपनी धर्मपत्नी के साथ लीची को लेकर बचेली मुख्यालय मार्केट (बाजार) पर जाकर स्वयं 200 रूपये किलो पर विक्रय कर रहे है। जिससे उन्हें प्रतिदिन 7 से 10 हजार रूपये की आमदनी हो रही है और पिछले दो माह में लगभग 1 लाख की आमदनी हो चुकी है।

उनका यह भी कहना है कि लीची के अधिक पेड़ों के मालिक किसान तो सीजन में 5 से 8 लाख तक भी कमा लेते हैं। लीची के फलों के बदौलत अपनी आर्थिक स्थिति में सुखद बदलाव के विषय में वह प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहते है कि वे परम्परागत कृषि तो करते ही है। लेकिन बड़ा बदलाव तो बागवानी कृषि से आया, इसके चलते अब तो उसने अपनी भूमि में उन्नत नस्ल के आम और अमरूद जैसे फलदार पेड़ों को भी लगाया है। इस प्रकार उन्हें अब कृषि के गैर मौसमी दिनों में रोजगार के लिए भटकना नहीं पड़ता। बागवानी कृषि का पुरजोर समर्थन करते हुए उनका मानना है कि समय की यही मांग है कि अधिक से अधिक कृषक गैर परम्परागत खेती में भी संभावनाएं तलाशें। क्योंकि कई वैकल्पिक कृषि क्षेत्र है जो अतिरिक्त आमदनी के स्त्रोत बन सकता है। जिस प्रकार भीमा तेलाम ने अपनी दूरदर्शिता से बागवानी कृषि में रूचि लेकर अपनी सामाजिक और आर्थिक स्थिति को नया मुकाम दिया है। इसे देखते हुए वह अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

हज यात्रियों का हुआ टीकारण व चिकित्सकीय परीक्षण

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी की ओर से जिला चिकित्सालय पंडरी में हज यात्रियों का टीकाकरण कराया गया और उन्हें प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया। पहले चरण में बेंगलूरु, दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर, लखनऊ एम्बार्केशन प्वॉइंट से जाने वाले लोग शामिल थे। हज यात्रा के दौरान होने वाले स्वास्थ्य संबंधित सावधानियों के बारे में भी जानकारी दी गई। इस शिविर में लगभग 82 हज यात्रियों का टीकाकरण परीक्षण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष मो. असलम खान, डॉ. सचिव साजिद अहमद फारुकी उपस्थित थे। हज यात्रियों के टीकाकरण का कार्य जिला चिकित्सालय पंडरी रायपुर के सिविल सर्जन डॉ. एसके. भंडारी, डॉ. निलय मोझरकर, डॉ. वेदव्यास चौधरी, डॉ. समृद्धि अग्रवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर राज्य हज कमेटी के मोहम्मद हुसैन मलकानी, सैयद सलीम अशरफ राजिक अमजद, राज्य वक्फबोर्ड के इकबाल अहमद, मोहम्मद जावेद अख्तर, अब्दुल रहीम, तारिक अशरफी, मोहम्मद साकिब उपस्थित रहे।

एमबीबीएस फर्स्ट की परीक्षा जुलाई में, टाइम-टेबल घोषित

रायपुर (ए.)। पं. दीनदयाल उपाध्याय हेल्थ साइंस विश्वविद्यालय ने एमबीबीएस फर्स्ट ईयर की मुख्य परीक्षा के लिए समय-सारणी की घोषणा कर दिया है। छात्र 3 से 13 जुलाई तक परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन भर सकेंगे। साथ विलंब शुल्क प्रतिदिन 200 रुपए के साथ 15 जुलाई तक फॉर्म भर सकेंगे। परीक्षा में 13 मेडिकल कॉलेजों के 1910 छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। विवि ने परीक्षा के लिए 400 रुपए का शुल्क तय किया है। वहीं पूरक परीक्षा के लिए 2600, 3200 व 4000 रुपए शुल्क जमा करना होगा। परीक्षा 6 जुलाई से 6 अगस्त तक होगी। इसके लिए सभी 13 मेडिकल कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इनमें तीन निजी कॉलेज भी हैं। कॉलेजों को 17 अगस्त तक प्रेक्टिकल कराने को कहा गया है। ताकि रिजल्ट समय पर निकाला जा सके। विवि ने कहा है कि ट्रांजेक्शन फेल होने व दोबारा भुगतान करने की दशा में जरूरी दस्तावेज होने पर ही फीस वापस की जाएगी। कॉलेजों को ऑनलाइन ही आवेदन भेजना होगा। हार्ड कॉपी भेजने की जरुरत नहीं है। ऑफलाइन फार्म भरने वालों को नामांकन पत्र की फोटोकॉपी संलग्न करनी होगी। साथ ही बैंक ड्राफ्ट भी जरूरी होगा।

लाखों रुपए खर्च के बाद भी खारून नदी का है यह बुरा हाल

जलकुंभी से अटा पड़ा है खारून नदी, लोगों को हो रही परेशानी

रायपुर (ए.)। शहर के लाखों लोगों को प्यास बुझाने वाली खारून नदी में एक बार फिर जलकुंभी अपना पांव पसार रही है। इसके चलते नदी का पानी जहरीला होने के कगार पर है। शुरुआती दौर में महादेवघाट, सरोना, चंदनीडीह व अटारी की नदी में जगह-जगह बड़ी संख्या में पनपते जा रही है। मानो ऐसा लग रहा है कि नदी नहीं कोई घास का मैदान हो।

जीव-जंतुओं के लिए खतरा

इस ओर जिला प्रशासन व नगर निगम द्वारा नदी में पनप रहे जलकुंभी को हटाने के लिए लाखों रुपए खर्च कर रहे हैं। साथ ही इसे संवारने के लिए पिछले कुछ वर्षों में करोड़ रुपए खर्च कर दिया गया है, लेकिन न तो नदी की साफ-सफाई हुई है और न ही नदी किनारों को संवारा गया है। जिसके कारण गर्मी शुरु होने से पहले ही नदी जलकुंभी से पटती जा रही है। जलकुंभी इतना ज्यादा है कि इन्हें निकाल पाना बहुत ही कठिन हो गया है। जलकुंभी पानी में उत्पन्न ऑक्सीजन को भी सोख लेती हैं, इसलिए जल में रहने हाले कई जीवों सहित मछलियां भी खत्म होने के कगार पर है।

नौका विहार करने वाले हो रहे हैं बदबू से परेशान

शहर में पर्यटक प्रतिदिन हटकेश्वरनाथ के दर्शन करने के बाद लक्ष्मण झूला व नौका विहार का आनंद उठाते हैं, लेकिन अभी खारून नदी में जलकुंभी होने के कारण नौका विहार करने वालों को नदी से आने वाली दुर्गंध का सामना करना पड़ता है। कभी-कभी तो हालात ऐसे हो जाते हैं कि इस जलकुंभी के बीच में पर्यटक फंस जाते हैं।

वहीं खारून नदी को प्रदूषित होने से बचाने के लिए भाठागांव, निमोरा, कारा और चंदलीडीह में लीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाया गया है, लेकिन इसमें चंदनीडीह में काम अभी अधूरा है। भाठागांव में स्थापित ट्रीटमेंट प्लांट से 6 एमएलडी दूषित जल को शुद्धिकरण कर खारून नदी में प्रवाहित किया जा रहा है। वहीं चिंगरी नाला का भी निर्माण कार्य अभी चल रहा है।

श्रमिकों को गांव में उत्पादकता बढ़ाने वाले अवसरों की दी गई जानकारी

मनरेगा श्रमिकों को मिला 7 लाख 85 हजार मानव दिवस का रोजगार

रायपुर (ए.)। जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत विभन्न रोजगार मुलक कार्य संचालित किये जा रहे है। इन कार्यों से जिले के 52 हजार 2 सौ 88 श्रमिकों को सीधे लाभ मिला रहा है। योजना के तहत वित्तीय वर्ष में प्रत्येक परिवार, जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक कार्य करने के लिए स्वेच्छा से आगे आते हैं, उन्हें योजना अतर्गत कम से कम 100 दिनों का गारंटीशुदा रोजगार उपलब्ध कराने का प्रावधान, रोजगार के लिए पजीकृत आवेदक को 15 दिवस में कार्य देने, अधिनियम के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवारों को एक वित्तीय वर्ष में 100 दिवस के रोजगार के साथ ही ग्राम में जनोपयोगी एवं उत्पादकता बढ़ाने वाले संपत्तियों के सृजन का अवसर दिये जाने की जानकारी श्रमिकों को दी गई।

तत्संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री रोमा श्रीवास्तव ने बताया कि नया तालाब निर्माण, डबरी निर्माण कार्य, सिंचाई नहर नाली निर्माण कार्य, हितग्राही मूलक कार्य भूमि सुधार, डबरी निर्माण कार्य, व्यक्तिगत कुंआ निर्माण कार्य, पुराने जलाशय नाला सफाई एवं पुनरूद्धार कार्य, तालाब गहरीकरण एवं पचरी पीचिंग कार्य, तालाब में इनलेट आउटलेट निर्माण कार्य, जल निकासी कच्ची नाली निर्माण कार्य, मिट्टी सड़क निर्माण कार्य, हितग्राही मूलक कार्य नाडेप टंकी निर्माण कार्य, हितग्राही मूलक कार्य सोकपिट निर्माण कार्य, हितग्राही मूलक कार्य बकरी शेड निर्माण कार्य, सामुदायिक कम्पोस्ट निर्माण कार्य, सामुदायिक नाडेप टैंक निर्माण कार्य, ठोस अपशिष्ट तरल प्रबंधन कार्य, प्रधानमंत्री आवास में 90 दिन मजदूरी कार्य कराये जा रहे हैं। योजना के तहत 28 लाख 43 हजार मानव दिवस सृजित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सुरक्षा को बढ़ाने के उद्देश्य से श्रमिकों द्वारा 7 लाख 85 हजार मानव दिवस सृजित किया गया है। अप्रैल माह से श्रमिकों को प्रति दिवस 243 रूपये का मजदूरी भुगतान किया जा रहा है।

सुश्री रोमा श्रीवास्तव ने यह भी बताया कि रोजगार दिवस के आयोजन में मनरेगा से जुड़ी समस्याओं का समाधान ग्राम पंचायत स्तर पर की जाने, नवीन जॉब कार्ड, लंबित मजदूरी भुगतान, कार्य मांगने सहित अन्य जानकारी से श्रमिकों को अवगत कराया जाता है, जिससे छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान और श्रमिकों को मजदूरी के लिए कई किलोमीटर का सफर कर जिला मुख्यालय पहुंचने की जरूरत नहीं पड़ती।

मनुष्य को आत्मकृपा मात्र भगवान शंकर से ही प्राप्त होती है : डॉ. इन्दुभवानन्द

रायपुर (ए.)। गणेश मंदिर अनुपम नगर में चल रही शिवमहापुराण कथा का वर्णन करते हुए शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज के शिष्य डॉ. ब्रह्मचारी इंदुभवानंद महाराज ने बताया कि प्रत्येक मनुष्य को आत्मकृपा भगवान शंकर से ही प्राप्त होती है अन्य किसी साधनों से यह संभव नहीं है।

भगवान शंकर की पूजा से मनुष्य को जान और वैराग्य की प्राप्ति होती है, जिसे पाकर वह अपना कल्याण करने में सक्षम हो जाता है। कथा के पहले श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा निकाली। ततपश्चात महाराज ने कथा का वर्णन करते हुए कहा कि गौकर्ण में शिवपुराण की परम पवित्र कथा सुनी, कथा के सुनने से उसके हृदय में भक्ति जान और वैराग की वृद्धि हो गई तथा सहज ही उनके पापों का प्रायश्चित हो गया। माता पार्वती

की सेवा के स्वरूप चंचल ने अपने पति को भी शिव कथा श्रवण कराकर प्रेतत्व से मुक्ति प्राप्त करा दी।

भगवान शंकर की दिव्य अमृतमयी कथा जो व्यक्ति श्रवण करता है, वह समस्त पापों से मुक्त होकर ज्ञान प्राप्त कर लेता है और अंत में उसको मुक्ति प्राप्त हो जाती है। मुक्ति का दान करने वाले केवल भगवान शंकर ही हैं, क्योंकि बिना ज्ञान के मुक्ति प्राणी को प्राप्त नहीं होती है और ज्ञान केवल भगवान शिव से ही प्राप्त होता है। ज्ञान प्राप्ति के लिए ही शिव की उपासना की जाती है।

मैट्स यूनिवर्सिटी के हिन्दी विभाग ने किया विदाई समारोह का आयोजन

रायपुर (ए.)। मैट्स यूनिवर्सिटी के हिन्दी विभाग के बीए एवं एमए के विद्यार्थियों द्वारा विदाई समारोह (फेयरवेल) का आयोजन किया गया। इस समारोह में कनिष्ठ विद्यार्थियों ने वरिष्ठ विद्यार्थियों को उपहार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने अपनी पुरानी यादें ताजा की और अपने अनुभव बांटकर इसे अपने जीवन का सबसे यादगार क्षण बताया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी एवं अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन कर विदाई समारोह को यादगार बनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती

की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवन के साथ किया गया। मैट्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति गजराज पगारिया, कुलपति प्रो. केपी यादव, महानिदेशक प्रियेश पगारिया, कुलसचिव गोकुलानंदा पंडा ने इस समारोह की सफलता की शुभकामनाएँ देते हुए विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। समारोह में डॉ. सुपर्णा श्रीवास्तव डॉ. रमणी चंद्राकर, डॉ. सुनीता तिवारी, प्रियंका गोस्वामी सहित अनेक संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित थे। यह जानकारी मैट्स यूनिवर्सिटी के हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रेशमा अंसारी ने दी।

छत्तीसगढ़ में खरीफ फसल बोनी के लिए किसान करें खाद बीज का अग्रिम उठाव

रायपुर (ए.)। खरीफ सीजन 2024-25 प्रारम्भ होने को है, जिले के किसान खेती की तैयारी शुरू कर सकते है। फसल तैयारी और खाद बीज उठाव के संबंध में कृषि विभाग द्वारा आवश्यक सूचना जारी की गई है। उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले के सहकारी समितियों में खाद बीज का भंडारण किया जा रहा है। साथ ही कृषकों को कृषि ऋण के तहत् बीज, खाद का वितरण शुरू हो चुका है।

किसान आवश्यकता अनुसार बीज खाद का अग्रिम उठाव कर सकते है। किसानों को कृषि विभाग की तरफ से सुझाव भी जारी किए गए है। इसके तहत किसान हरी खाद हेतु सनई, ढ़ेचा की बुआई प्रारम्भ कर सकते है। पोषक तत्व प्रबंधन हेतु रासायनिक उर्वरक, जैव उर्वरक, जैविक खाद, नेनो डीएपी नेनो युरिया आदि विकल्पों का उपयोग किया जा सकता है। वर्तमान में सहकारी समितियों में डीएपी 1350 रुपये बोरी, युरिया 266.50 रुपये बोरी, सिगल सुपर फास्फेट 475 रूपये बोरी, पोटाश 1625 रुपये बोरी आदि उर्वरकों का भंडारण किया जा चुका है। तथा वितरण शुरू हो चुका है।

नक्सलियों के खिलाफ कश्मीर की तर्ज पर टारगेट बेस्ड ऑपरेशन हुआ शुरू

नक्सल मूव्मेंट को रोकने कबीरधाम में 4 नए फारवर्ड कैम्प स्थापित

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ कश्मीर की तर्ज पर टारगेट बेस्ड आपरेशन शुरू कर दिया है। इंटेलिजेंस ब्यूरो के इनपुट के आधार पर नक्सल प्रभावित इलाकों में घुसकर जवान नक्सलियों को टारगेट बना रहे हैं।

राज्य में डबल ईंजन वाली विष्णुदेव साय सरकार आने के बाद गृह मंत्री विजय शर्मा के दिशा निर्देश पर नक्सल क्षेत्र में खुफिया तंत्र को मजबूत कर दिया गया है। नक्सलियों की हर गतिविधियों पर सुरक्षा बलों ने पैनी नजर रखी है। गाँव मे सुरक्षा कैम्प खोलकर ग्रामीणों को विश्वाश में लिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में कवर्धा जिले को भी नक्सल प्रभावित जिला माना जाता है यहाँ भोरमदेव कवर्धा डिवीजन के सक्रियता बताई जाती है। स्थानीय विधायक एवं छत्तीसगढ़ सरकार में गृहमंत्री विजय शर्मा का कवर्धा गृहग्राम है। स्थानीय जन प्रतिनिधि होने के नाते कवर्धा की सुरक्षा को लेकर संजीदा विजय शर्मा ने पुलिस

विभाग के साथ व्यापक समीक्षा कर मार्गदर्शन दिया। नक्सलियों को बैक फुट में धकेलने के लिए जिले में भी 6 नये फारवर्ड कैम्प प्रस्तावित किये गए। जिनमें चार कैम्प स्थापित हो चुके है। कुमान, बेंदा, मारा डबरा और खिलाही कैम्प शामिल है।

ऐसा माना जाता है नक्सली मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाले कवर्धा जिले के जंगलो का उपयोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए करते है इन 4 नए फारवर्ड कैम्पो की स्थापना इसके मद्देनजर की गई है ताकि नक्सलियों के मूमेंट को जिले के जंगलो में रोका जा सके। ऐसा माना जा रहा है इन कैम्पो के स्थापना से नक्सली गितिविधियो में कमी होगी। इसके साथ ही नक्सली पकडने या मारने में मदद करने के लिए लोगो को जागरूक और पारितोष देकर प्रोत्साहन देने की भी बात कही जा रही है।

डबल इंजन की सरकार का नतीजा

इस पूरे विषय पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा, प्रदेश में डबल इंजन की सरकार आने के बाद से नक्सल मोर्चे पर काफी सकारात्मक चीजें दिख रही हैं। नक्सलियों के मांद में जाकर जवानों के कैंप खोले गए इससे नक्सलियों के हौसले पस्त होंगे। उन्होंने यह भी कहा कभी भी बुलेट के नोक पर विकास संभव नही है। क्षेत्र में विकास के लिए लोकतंत्र ही सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा हम लगातार यह कह भी रहे है नक्सली जब चाहे सरकार बातचीत के लिए तैयार है। उन्हें हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटना चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राज्य में सरकार गठन के बाद संकेत दिए है नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे है । हाल ही में बड़ी संख्या में नक्सलियों के मारे जाने के बाद लोगो मे एक उम्मीद जगी है कि जल्द ही छत्तीसगढ़ नक्सल मुक्त होगा ।

समर कैम्पः जीवन में योगासनों का महत्व विषय के बारे में दी जानकारी

योगासन हमें स्वस्थ और अनुशासित बनाता है : ज्योति

रायपुर (ए.)। योग शिक्षका ज्योति साहू ने कहा कि योग में हम श्वांसों के आवागमन पर अपने ध्यान को केन्द्रित करते हैं। यह श्वांसों पर नियंत्रण की कला है। श्वांस लेने का भी सही तरीका मालूम होना आवश्यक है। जब हम श्वांस लेते हैं तो हमारा पेट बाहर निकलना चाहिए और श्वांस छोड़ने पर अन्दर जाना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो आप बीमारियों का शिकार हो सकते हैं।

योग शिक्षिका ज्योति साहू प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा विश्व शान्ति भवन चौबे कालोनी में आयोजित समर कैम्प में जीवन में योगासनों का महत्व विषय पर बोल रही थीं। उन्होंने बच्चों को विभिन्न योगासनों से होने वाले लाभ से परिचित

कराया। उन्होंने बतलाया कि ताड़ासन में जब बैठें तो अंगूठा और एड़ी में बराबर दूरी होनी चाहिए। यह उँचाई बढ़ाने में मदद करता है। यह खून के प्रवाह को तेज करता है और शरीर का सन्तुलन भी बनाता है। शशांक आसन से सूर्य नाड़ी और चन्द्र नाड़ी एक्टिव होती है। जिससे डिप्रेसन कम होता है। रक्त का प्रवाह अच्छा होता है और आज्ञा चक्र सक्रिय होता है। इसी प्रकार वृक्षासन हमारी एकाग्रता को बढ़ाता है।

उन्होंने ताली बजाने से होने वाले लाभ की चर्चा करते हुए कहा कि जब हम ताली बजाते हैं तो यह हमारे कोलस्ट्रोल को कम करने में मदद करता है। उन्होंने बतलाया कि योग में या पढ़ाई करते समय हमें सीधा बैठना चाहिए। अगर हम सीधा नहीं बैठते हैं तो हमारी रीढ़ की हड्डी टेढ़ी हो जाती है जिससे हमें श्वांस लेने में कठिनाई होती है। भोजन करने के उपरान्त हमें कम से कम दो मिनट वज्राशन में जरूर बैठना चाहिए। यह हमारे भोजन को पचाने में मदद करता है।

जूनियर भारतीय हॉकी टीम में अनिशा का चयन

रायपुर (ए.)। हॉकी इंडिया ने सोमवार को 18 से 31 मई तक यूरो में आयोजित अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए अंडर-21 बालिका टीम की घोषणा की जिसमें छत्तीसगढ़ की अनिशा साहू भी शामिल है। अनिशा को इस उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ हॉकी संघ के पदाधिकारियों ने बधाई दी है। राजनांदगांव की अनिशा पिछले दो वर्षों से हॉकी इंडिया की कोर टीम के साथ बेंगलूरु साई सेंटर में प्रशिक्षण हासिल कर रही हैं। साई सेंटर और राष्ट्रीय स्पर्धा प्रतियोगिता में उसके उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन को देखते हुए अनिशा का चयन भारतीय टीम में किया गया है।

अनिल और दिव्या की एक्शन थ्रिलर सावि 31 मई को सिनेमा घरों में देगी दस्तक

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर और अभिनेत्री दिव्या खोसला की फिल्म साविः ए ब्लडी हाउसवाइफ की धमाकेदार टीजर रिलीज हो गया है। सावि के मोशन पोस्टर से प्रशंसकों के बीच उत्सुकता पैदा कर दी है। इन साजिशों को और गहरा करते हुए दिव्या ने अभिनय देव निर्देशित इस फिल्म के टीजर में एक बड़ा बयान देकर सभी को उत्सुक कर दिया है।

टी सीरीज के जरिए जारी किए गए टीजर में सावि के रूप में दिव्या खोसला को यह कबूल करते हुए दिखाया गया है कि उनके पास तीन दिनों के बाद लंदन में जेल ब्रेक की साजिश रचने और उसे अंजाम देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। वे एक साधारण गृहणी हैं, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपने हाथों को खूब से क्यों रंगा है यह टीजर ऐसे कई सवाल पैदा कर रहा है।

फिल्म में दिव्या खोसला के साथ अनिल कपूर और हर्षवर्धन राणे भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म की पूरी शूटिंग लंदन में की गई है। किरदार देव की फिल्म सावी का निर्माण विशेष मनोरंजन और टी-सीरीज के बैनर मुकेश भट्ट, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार ने किया है। शिव चाना और साक्षी भट्ट सह-निर्माता के रूप में शामिल हैं। यह फिल्म एक बेहतरीन एक्शन एक्शन से भरपूर है। हालांकि, यह देखने के लिए कि एक साधारण गृहिणी के जेल से पीछे की कहानी क्या है और वह इसे कैसे प्रदर्शित करती है, इसके लिए फिल्म के रिलीज होने तक का इंतजार करना होगा। यह फिल्म 31 मई, 2024 को रिलीज होगी।

मर्डर इन माहिम का प्रोमो वीडियो जारी, 10 को रिलीज होगी सीरीज

अभिनेता आशुतोष राणा इन दिनों अपनी आामी वेब सीरीज मर्डर इन माहिम को लेकर चर्चा में हैं।इस मर्डर मिस्ट्री में दिग्गज अभिनेता विजय राज भी मुख्य भूमिका नजर आएंगे। सीरीज में दोनों एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे।अब निर्माताओं ने मर्डर इन माहिम का नया प्रोमो वीडियो जारी कर दिया है, जिसमें विजय और आशुतोष एक मर्डर मिस्ट्री को सुलझाते हुए नजर आ रहे हैं। मर्डर इन माहिम के निर्देशन की कमान राज आचार्य ने संभाली है।

मर्डर इन माहिम का प्रीमियर 10 मई से जियो सिनेमा पर होगा। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने प्रोमो साझा करते हुए लिखा, एक तरफ बेटे का सच दूसरा तरफ एक हत्यारा, क्या पीटर इस मामले को सुलझा पाएगा।मर्डर इन माहिम के निर्माता अजीत अंधारे हैं। इस सीरीज की कहानी मुस्तफा नीमचवाला और उदय सिंह पवार ने मिलकर लिखी है। सीरीज का प्रचार करते हुए आशुतोष अपने किरदार के बारे में खुलासा किया और करियर की शुरुआत में नकारात्मक किरदार निभाने के बारे में बात की।

मर्डर इन माहिम की बात करें तो आशुतोष के साथ इस मर्डर मिस्ट्री में दिग्गज अभिनेता विजय राज भी मुख्य भूमिका नजर आएंगे।सीरीज में दोनों एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे। मर्डर इन माहिम के निर्देशन की कमान राज आचार्य ने संभाली है।यह सीरीज 10 मई से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम की जा सकती है। शिवानी रघुवंशी, शिवाजी सातम, स्मिता तांबे, दिव्या जगदाले, राजेश खट्टर और बेनाफ्शा सूनावाला जैसे सितारे भी इस सीरीज का अहम हिस्सा हैं।

आगामी फिल्म टिप्सी को लेकर बेहद उत्साहित है अलंकृता सहाय

अलंकृता सहाय वास्तव में बड़े समय पर और वास्तविक रूप से हावी रही हैं। साल 2023 उनके लिए हर तरह से अभूतपूर्व रहा है। चाहे वह अविश्वसनीय और चार्टबस्टर संगीत वीडियो हो या कुछ शीर्ष पुरस्कार और एक के बाद एक मिलने वाली प्रशंसा, हमने वास्तव में यह सब उसके अंत में घटित होते देखा है। वह तरोताजा हैं और 2024 में सूट्स यू, मोटे पेग 2 और अब जैसी अपनी हालिया परियोजनाओं की सफलता पर सवार हैं।

इस आकर्षक दिवा के लिए यह फिल्म देखने का समय है। अभिनेत्री टिप्सी नाम की एक बड़ी फिल्म में नजर आने के लिए तैयार है, जिसे दीपक तिजोरी द्वारा निर्देशित और राजू चड्ढा वेव्स और पैनोरमा स्टूडियो द्वारा निर्मित किया गया है।फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि अलंकृता ने इसमें काम किया है। इस पर बेहद सख्त होने से उसका उत्साह आसमान छू रहा है।

यह पूछे जाने पर कि इस फिल्म में उनके प्रशंसकों को उनसे क्या उम्मीद करनी चाहिए, अभिनेत्री ने कहा कि यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें मैंने वास्तव में अपना सब कुछ दिया है क्योंकि मैंने इस फिल्म की शूटिंग अपने पिता के निधन के तुरंत बाद की थी। मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो पिछली सफलता का जश्न मनाने के मामले में स्थिर रहना पसंद करते हैं। जो बीत गया वह बीत गया और यह है। भविष्य पर ध्यान केंद्रित करना हमेशा बेहतर होता है। हां, 2023 अच्छे गानों और एक शानदार ओटीटी प्रोजेक्ट के मामले में मेरे लिए बहुत अच्छा रहा है। टिप्पसी में ट्रिपल पी वह है, वह होने वाली दुल्हन है और मेरी भूमिका इससे बहुत अलग है। मेरे दर्शकों ने मुझे पहले भी ऐसा करते हुए देखा है।

मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी कार्यशालाएं सही तरीके से की हैं कि मैं वही कर पा रही हूं जो निर्माता और निर्देशक मुझसे उम्मीद करते हैं। ट्रेलर शानदार रहा है और मैं ट्रेलर के बाद मिली तारीफों से रोमांचित हूं।

तृप्ति डिमरी ने ब्लैक गाउन में ढाया इंस्टाग्राम पर कहर

बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इन तस्वीरों में तृप्ति डिमरी एक ब्लैक थाई-हाई स्लिट गाउन पहने हुए नजर आ रही हैं। गाउन उनकी फिगर को बखूबी उभारता है और साथ ही हाई स्लिट उनके पैरों को और भी लंबा दिखा रहा है। उन्होंने लाइट मेकअप किया हुआ है, जो उनके नैचुरल लुक को हाइलाइट कर रहा है। फैंस तृप्ति डिमरी की खूबसूरती की तारीफ करते हुए ढेरों कमेंट्स कर रहे हैं।

कुछ का कहना है कि ब्लैक कलर तृप्ति डिमरी पर बहुत फबता है, तो वहीं कुछ उनके हॉट लुक की तारीफ कर रहे हैं। गौरतलब है कि तृप्ति डिमरी डिमरी फिल्म एनिमल से खासि ख्याति मिली है। संदीप रेड्डी वांगा की इस फिल्म में तृप्ति रणबीर कपूर के साथ नजर आई थीं। ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल में तृप्ति डिमरी ने छोटे, लेकिन रहस्यमयी किरदार में नजर आईं।अभिनेत्री जितनी देर भी पर्दे नजर आईं उन्होंने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। सभी ने उनके प्रदर्शन और अभिनय की जमकर तारीफ की।इस फिल्म में उनके दमदार प्रदर्शन ने उन्हें ना केवल प्रसिद्धि दिलाई, बल्कि कई अन्य प्रोजेक्ट्स भी दिलाए। यहां तक कि उन्हें नेशनल क्रश होने का खिताब भी मिला।ऐसे में इस सूची में उनका नाम आना तो बनता है।

बार-बार सूख रहा है मुंह तो हल्के में न लें, इन खतरनाक बीमारियों का हो सकता है लक्षण

गर्मी का मौसम चल रहा है। बार-बार पानी पीने के बावजूद भी मुंह सुख जा रहा है। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो सावधान हो जाइए, क्योंकि ऐसा कई बीमारियों के कारण भी हो सकता है। दरअसल, पानी कम पीने की वजह से भी मुंह ड्राई (ड्ड्ढ4 रूश्ह्वह्लद्ध) हो जाता है।जब मुंह में मौजूद सलाइवरी ग्लैंड सही तरह से काम नहीं करता तो यह कई परेशानियों का कारण बन सकता है। इसे जेरोस्टोमिया भी कहा जाता है। आइए जानते हैं मुंह सूखना सेहत के लिए क्यों खतरनाक है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह एक ग्लैंड है, जो मुंह में लार बनाने और मुंह को गीला रखने का काम करती है। उम्र बढ़ने के साथ अक्सर ये समस्या देखने को मिलती है। कुछ दवाईयों के साइड इफेक्ट्स या कैंसर रेडिएशन थेरेपी की वजह से भी यह समस्या हो सकती है।

मुंह सूखने का कारण

कई बुजुर्गों में यह समस्या काफी आम होती है। लंबे समय से बीमार और दवाईयों का सेवन करने की वजह से ऐसा हो सकता है। न्यूट्रिशन की कमी और भरपूर पानी न पीने से भी ड्राई माउथ हो सकता है। कई बार सिर या गर्दन में लगी कोई चोट या सर्जरी की वजह से भी ऐसा हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि सर्जरी या चोट से नर्व डैमेज हो जाता है और सलाइवरी ग्लैंड सही तरह काम नहीं कर पाता है। डायबिटीज के मरीजों में भी ड्राई माउथ की समस्या हो सकती है, इसलिए मुंह बार-बार सूख रहा है तो तुरंत शुगर टेस्ट करवाना चाहिए। मेंटल हेल्थ की बीमारी अल्जाइमर का भी ड्राई माउथ लक्षण हो सकता है। स्ट्रोक, मुंह में यीस्ट इंफेक्शन या ऑटो इम्यून डिजीज में भी ड्राई माउथ की समस्या होती है। ड्राई माउथ एचआईवी एड्स का भी लक्षण है, जब बार-बार मुंह सूखता है। स्मोकिंग करते हैं या ज्यादा शराब पीते हैं तो मुंह सूखने की समस्या हो सकती है। मुंह खोलकर सोने वालों में भी ड्राई माउथ की समस्या हो सकती है।

ड्राई माउथ के लक्षण

* गले में दर्द है
* मुंह के अंदर ड्राइनेस
* बैड स्मेल आना
* चबाने या निगलने में दिक्कत
* दांतों पर लिपस्टिक का चिपकना

ड्राई माउथ होने पर क्या करें

अगर किसी को ड्राई माउथ यानी मुंह सूखने की समस्या हो रही है और लगातार बनी हुई है तो बिना किसी लापरवाही के डॉक्टर के पास जाना चाहिए। उनके बताई बातों का सही तरह पालन करें और लाइफस्टाइल-खानपान में बदलाव करें।

खास खबर

सर्व ब्राम्हण समाज मनाएगा भगवान परशुराम की जयंती

गरियाबंद। वैसे तो ब्राह्मण समाज जो किसी पहचान की मोहताज नहीं है,पूरे हिंदू वर्ण में अपने विशिष्ट बुध्दिमता और उच्च दूरदर्शिता तथा उदार प्रवृति के वजह से जाना जाता है,तथा समाज के विभिन्न संत महात्मा और ज्ञानी महापुरुषों से ब्राह्मण समाज भरा पड़ा है जिसके आदर्श पे युगो युगो तक भगवान परशुराम और कई ऋषि मुनि. महर्षि.नारद आचार्य चाणक्य वजह से हिंदू धर्म में ब्राह्मणों का विशेष स्थान है जो सभी धर्म शास्त्र वेद पुराण का आधार है।इसी के तहत स्थानीय रामजानकी मंदिर गरियाबंद में एक दिवसीय सर्व ब्राह्मण समाज जिला इकाई गरियाबंद द्वारा बैठक बुलाई गई थी। समाजिक विप्र जन इकट्ठा हुए एवं समाज विस्तार के चर्चा की गई साथ ही समाज के भाई बंधु एवं संगठन के संबंध में चर्चा की गई वही बैठक में 10 मई को परशुराम जयंती मनाने संगठन को मजबूत करने आदि विषयो पर अपनी अपनी बाते पदाधिकारियों और समाज के सदस्यो द्वारा किया गया।नगर के विप्र ब्राम्हण समाज द्वारा भगवान परशुराम विष्णु जी के छठे अवतार भगवान परशुरामजी की जयंती नगर के सर्व ब्राम्हण समाज के भवन में धूमधाम के साथ मनाने का निर्णय लिया गया।जहां जयंती के दिन सामुहिक रूप से समाज के लोगो के द्वारा समाज के भवन में सुबह भगवान परशुराम जी का पूजा अर्चना कर महाआरती के पश्चात पूरा दिन हवन पूजा का आयोजन किये।

सर्वेश्वरदास विद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन 10 तक

राजनांदगांव। सर्वेश्वरदास नगर पालिक निगम शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय राजनांदगांव में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई 2024 है। प्रवेश के लिए पात्र-अपात्र बच्चों की सूची 11 मई 2024 को विद्यालय के नोटिस बोर्ड में चस्पा कर दी जाएगी। जारी सूची के संबंध में आवेदक या पालक 11 से 13 मई 2024 तक विद्यालय में दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। इसके पश्चात 14 मई 2024 को कक्षा पहली एवं 15 मई 2024 को कक्षा पांचवी, छठवीं व सातवीं की कक्षाओं के लिए बच्चों का चयन लाटरी के माध्यम से जिला स्तरीय गठित समिति के समक्ष किया जाएगा। बच्चों की चयनित एवं प्रतिक्षा सूची का अवलोकन विद्यालय के सूचना पटल पर किया जा सकता सकेगा। बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया 16 मई 2024 से प्रारंभ होगी।

नाना को रक्तदान करते देख पोते ने भी किया रक्तदान..

दुर्ग। जिला चिकित्सालय दुर्ग में गंभीर फ़िमेल सर्जिकल मरीज सन्यासी अम्मा 79 वर्ष को पांच यूनिट बी नेगेटिव ब्लड की आवश्यकता थी जिसमें तीन यूनिट ब्लड लग चुका है और दो यूनिट बी निगेटिव ब्लड की आवश्यकता थी। ब्लड बैंक नोडल अधिकारी डॉ. प्रवीण अग्रवाल और रेडक्रास सोसायटी के प्रबंधकारनी सदस्य दिलीप ठाकुर के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देश पर जसप्रीत सिंग ने द्वितीय बार बी निगेटिव ब्लड और बिरेन्द्र मिश्रा 63 वर्ष ने 30 वीं बार अपना बहुमूल्य रक्त बी निगेटिव दान किया हैं। नाना को रक्तदान करते देख बिरेंद्र मिश्रा के नाती अनंत शर्मा ने भी ओ पाजिटिव ब्लड बड़े उत्साहित होकर पहली बार रक्तदान किया और मरीज की जान बचाई ।बल्ड डोनेट करने के बाद बिरेंद्र मिश्रा ने बताया की मेरी बेटी की वैवाहिक सालगिरह था, इस अवसर पर हमे कुछ न कुछ दान करना ही था तो हमने सोचा रक्तदान से अच्छा ओर कोई दान नही हो सकता था। इस अवसर पर ब्लड डोनेशन में जीवन दीप समिति के सदस्य प्रशांत डोनगांवकर, सतीश चंद्र सुराना, काउंसलर एंथोनी, नर्स श्रीमती सती गुप्त, लैब टेक्नोलॉजीस्ट रोशन सिंह, लैब इंचार्ज रूपेश लैब टेक्नीशियन महेन्द्र चंद्राकर, कुसुम चंद्राकर, हिमांशु चंद्राकर, माला देशमुख आदि उपस्थित थे। विषम परिस्थितियों में रक्तदान करने वाले ऐसे रक्तदाताओ का सम्मान के साथ उनका आभार व्यक्त किया गया।

एस्ट्राजेनेका ने दुनियाभर से कोरोना वैक्सीन वापस मंगाई, टीके की सुरक्षा को लेकर उठे थे सवाल

लंदन (एजेंसी)। दुनियाभर में कोरोनावायरस महामारी के दौरान लोगों को टीके मुहैया कराने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने अपना कोरोना का टीका वापस मंगा लिया है। कंपनी ने कहा है कि वह दुनियाभर से अपनी वैक्सजेवरिया वैक्सीन को वापस मंगा रही है। गौरतलब है कि एस्ट्राजेनेका के लाइसेंस वाली कोविशील्ड वैक्सीन ही भारत में भी कोरोना से बचाव के लिए दी गई थी। भारत में लगाई गई कोविशील्ड वैक्सीन भी उसी फार्मूले पर बनी है, जिस पर वैक्सजेवरिया वैक्सीन बनी है। भारत में कोविशील्ड का निर्माण सीरम इंस्टीट्यूट ऑफइंडिया ने किया था, लेकिन अभी तक भारत में कोरोना वैक्सीन वापस लेने का कोई फैसला नहीं हुआ है।

द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, एस्ट्राजेनेका ने दावा किया है कि वैक्सीन का अपडेट संस्करण उपलब्ध है, ऐसे में वैक्सीन के पुराने स्टॉक को वापस मंगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने 5 मार्च को ही वैक्सीन वैक्सजेरवरिया को वापस मंगाने का फैसला कर लिया था, लेकिन यह आदेश 7 मई से प्रभावी हुआ।

ब्रिटिश-स्वीडिश फार्मास्यूटिकल कंपनी एस्ट्राजेनेका का यह कदम ऐसे वक्त सामने आया है, जब कंपनी ने बीते दिनों ही स्वीकार किया है कि कुछ मामलों में कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट सामने आए हैं और इसकी वजह से कुछ लोगों में थ्रंबोसिस थ्रंबोसाइटोपीनिया सिंड्रोम बीमारी के लक्षण देखे गए हैं, जिसमें लोगों में खून के थक्के जमने लग जाते हैं।

कंपनी के खिलाफ दर्ज हुए मुकदमे

एस्ट्राजेनेका कंपनी कोविड वैक्सीन को लेकर कई मुकदमों का सामना कर रही है। आरोप है कि कोविड वैक्सीन लगने के बाद कई लोगों की जान गई है। जैमी स्कॉट नामक एक व्यक्ति ने एस्ट्राजेनेका के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। स्कॉट का आरोप है कि वैक्सीन लेने के बाद उसके शरीर में खून के थक्के जमने की समस्या हुई और दिमाग में भी ब्लीडिंग हुई। इससे उसके मस्तिष्क को नुकसान हुआ। ऐसे ही कंपनी के खिलाफ 50 से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। कंपनी ने भी कोर्ट में लिखित दस्तावेजों में स्वीकार किया कि कोरोना वैक्सीन के कुछ दुर्लभ मामलों में साइड इफेक्ट दिख सकते हैं।

भारत में भी उठी चिंताएं

एस्ट्राजेनेका ने यूरोप और दुनिया के अन्य देशों से ही कोरोना वैक्सीन वापस मंगाने का फैसला किया है। भारत में सीरम इंस्टीट्यूट की तरफ से अभी तक ऐसा कोई फैसला नहीं लिया गया है। भारत में भी कोविशील्ड को लेकर चिंता उठ रही है और इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर की गई है और वैक्सीन की सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर सुनवाई की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट भी सुनवाई के लिए सहमत हो गया है, लेकिन अभी तक तारीख तय नहीं हुई है।

जिला ग्रंथालय बालोद में आवश्यक व्यवस्था एवं जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कहा कि जिला ग्रंथालय बालोद में अध्ययन-अध्यापन हेतु आने वाले लोगों को आवश्यक सुविधा एवं अनुकूल परिवेश प्रदान करने हेतु जिला ग्रंथालय में सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। चन्द्रवाल आज प्रेस क्लब बालोद द्वारा जिला ग्रंथालय में प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विद्यार्थियों के लिए पाठ्य पुस्तक दान करने के संबंध में आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर अपना उद्गार व्यक्त कर रहे थे। चन्द्रवाल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों की मांग पर जिला ग्रंथालय में सीसीटीवी कैमरा एवं वाटर कूलर लगाने तथा ई-लाईब्रेरी की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर इंजीनियर ताराचंद साहू के द्वारा छत्तीसगढ़ एवं यूपीएससी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के

लिए जिला ग्रंथालय में हिन्दी एवं अग्रेंजी माध्यम की किताबे भी दान की। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक जोशी, एसडीएम शीतल बंसल, जिला शिक्षा अधिकारी पीसी मरकले, प्रेस क्लब बालोद के अध्यक्ष प्रदीप चोपड़ा भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर चन्द्रवाल ने प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विद्यार्थियों के लिए पुस्तक दान करने के लिए इंजीनियर ताराचंद साहू का मुक्तकंठ से सराहना करते हुए उनके इस कार्य को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। इसके लिए उन्होंने हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया। कलेक्टर चन्द्रवाल ने कहा कि जिला प्रशासन की मंशा है कि जिला ग्रंथालय बालोद में प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े नवयुवकों की संख्या में वृद्धि होनी चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने नगर के नर्सिंग अस्पताल के संचालक डॉ. तारेश रावटे की जिला ग्रंथालय के प्रति योगदान की भी सराहना की। चन्द्रवाल ने जिला ग्रंथालय की व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने तथा जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी बात कही। कलेक्टर ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से जिला ग्रंथालय में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने जिला ग्रंथालय की व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु योजना बनाने को कहा। जिससे की व्यवस्था में सुधार हेतु आवश्यक कदम उठाई जा सके। इस अवसर पर कलेक्टर चन्द्रवाल ने प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विद्यार्थियों को इंजीनियर ताराचंद साहू द्वारा दान की गई किताबों की प्रति भेंटकर उन्हें शुभकामनाएं दी।

उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े सभी युवा-युवतियों को कड़ी मेहनत करते हुए लक्ष्य हासिल कर अपने माता, पिता एवं जिले का नाम रोशन करने को कहा। इस अवसर पर इंजीनियर ताराचंद साहू तथा नर्सिंग अस्पताल बालोद के संचालक डॉ. तारेश रावटे ने भी अपना अनुभव साझा करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के दौरान आने वाली कठिनाईयों एवं चुनौतियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

कलेक्टर ने धीरी परियोजना का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज राजनांदगांव स्थित धीरी परियोजना का निरीक्षण किया। इसके कुछ दिनों पहले कलेक्टर श्री अग्रवाल ने ग्राम ईरा में इंटकवेल का अवलोकन किया था, जहां पानी नहीं था। उन्होंने दुर्ग जिले से समन्वय करते हुए व्यक्तिगत तौर पर पहल की और दुर्ग जिले में डुडा एनीकट के निर्माणाधीन कार्य को पूर्ण कराने के लिए कहा, जिसका सुखद परिणाम मिला। धीरी परियोजना में अब पानी की समस्या नहीं है और जल से भरा हुआ है।

इस परियोजना के तहत नदी से पानी लेकर उनका ट्रीटमेंट कर 24 गांवों में जल की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने इस दौरान ग्राम धीरा, सांकरा, धीरी और सोमनी में ग्रामीणों से पेयजल के संबंध में चर्चा की। ग्रामवासियों ने बताया कि कुछ स्थानों में पानी की समस्या है। गांव में टूल्लू पम्प लगे होने के कारण जल का स्तर नीचे चला गया है और कुछ घरों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। कलेक्टर ने पंचायत एवं पीएचई विभाग की टीम को ग्रामों में निरीक्षण कर समाधान करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि 28 करोड़ 77 लाख 44 हजार रूपए की लागत से निर्मित धीरी परियोजना से 24 गांव में पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसके अंतर्गत ग्राम सोमनी, खुटेरी, ठेकवा, ठाकुरटोला, मनकी, तोरनकट्टा, सुंदरा, ईरा, सांकरा, धीरी, फरहद, ककरेल, महुआभाठा, परमालकसा, अचानकपुर भाठापारा, बैगाटोला, नवागांव, फुलझर, बिरेझर, इंदावानी, टेड़ेसरा, कोपेडीह, मगरलोटा, देवादा लाभान्वित हो रहे हैं।

इन ग्रामों में उच्चस्तरीय जलागार बनाया गया है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने सेवा सहकारी समिति सोमनी का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने वहां उपस्थित किसानों से चर्चा की तथा काउंटर पर खड़े होकर खाद एवं बीज लेने के लिए आए किसानों की प्रक्रिया को देखा।

तीन चरणों के बाद तय देश में कांग्रेस इंडिया गठबंधन की सरकार बन रही है - दीपक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि तीन चरणों के मतदान के बाद तस्वीर बहुत हद तक साफ हो गयी। 400 का नारा देने वाली भाजपा 150 नहीं पहुंच रही है। आधे से ज्यादा सीटों पर चुनाव हो गया है। भाजपा इन सीटों पर बुरी तरह पिछड़ चुकी है। देश में कांग्रेस इंडिया गठबंधन की सरकार बन रही है।

तीन चरणों के मतदान के बाद मोदी और भाजपा घबरा गये उनके भाषणों का रुख बदल गया। वे अपनी 10 साल की कोई भी उपलब्धि नहीं बता पा रहे है। चुनाव को हिन्दू, मुस्लिम, मंगलसूत्र, मछली, मटन, मीट तक ले जाने की तमाम कोशिशे मोदी और उनके साथियों ने किया।लेकिन तीसरे चरण के मतदान के बाद साफ हो गया भाजपा के बहकावे मे जनता नहीं आयी। इस चुनाव में भाजपा का हिडन एजेंडा संविधान को बदलने और आरक्षण को समाप्त करने का बेनकाब हुआ। जनता यह समझ गयी कि संविधान बदलने के लिये भाजपा 400 पार का नारा दे रही है। लोग यह भी जान गये कि यह संविधान इसलिये बदलना चाह रहे कि बाबा साहब ने वंचित वर्गों के लिये जो प्रावधान संविधान में किया है वह संविधान बदलकर समाप्त किया जा सके। लेकिन भाजपा की यह बदनीयती खुलकर जनता के सामने आ गयी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि इस चुनाव के प्रचार को कांग्रेस पार्टी ने सकारात्मकता के साथ किया। हमने अपने न्याय पत्र को जनता के सामने रखा है। यही कारण है कि देश भर में जनता बदलाव के लिये मतदान कर रही है।तीन चरणों में यह साबित हुआ। किसान, मजदूर, महिलाएं देश में कांग्रेस की सरकार बनाने लामबंद है। किसान, मजदूर भी केंद्र में बदलाव के पक्षधर हो गये है। जनता को कांग्रेस के वादों से आशा की नई किरण दिख रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि देश में शेष चरणों में भी कांग्रेस के पक्ष में मतदान होगा। कांग्रेस ने कुल 5 न्याय की गारंटी दिया है। नारी न्याय, युवा न्याय, किसान न्याय, मजदूर न्याय और भागीदारी न्याय पांचो न्याय घोषित होने के बाद से ही देश के हर वर्ग के मतदाताओं में कांग्रेस के प्रति नजरिया बदला है लोगों को कांग्रेस की सरकार में अपना भविष्य दिख रहा है।इसीलिए तीसरे चरण मे भी कांग्रेस के पक्ष मे मतदान हुआ। कांग्रेस ने महिलाओं को हर साल 1 लाख और महीने में 8333 रू. देने का वादा किया है।

इसके साथ ही केंद्रीय भर्तियों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण का भी वादा कांग्रेस ने किया है। कांग्रेस की इस घोषणा के बाद महिलायें मतदाताओं का ध्रुवीकरण कांग्रेस की ओर हुआ है। महिलाओं ने देश में कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार बनाने के लिए कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया।

किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज व खाद सहज उपलब्ध कराएं : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने खरीफफसल के दृष्टिगत जिले में खाद-बीज भण्डारण एवं वितरण के संबंध में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की बैठक लेकर समीक्षा की। कलेक्टर अग्रवाल ने खाद-बीज के भंडारण और किसानों को किए जा रहे वितरण की जानकारी ली।

कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि जिले में लक्ष्य के अनुरूप खाद-बीज का भण्डारण हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी सोसायटी में पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तायुक्त बीज का भंडारण रखें और किसानों की मांग पर बीज का वितरण किया जाए। उन्होंने समय-समय पर बीज की गुणवत्ता को जांच करने अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज एवं खाद सहज उपलब्ध हो जाना चाहिए। उन्हें खाद-बीज के लिए दुबारा सोसायटी आने की जरूरत नहीं पडनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को अनावश्यक खाद-बीज के लिए दिक्कत नहीं होना चाहिए। उन्होंने जिन सोसायटियों में खाद-बीज उपलब्ध नहीं है वहां तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर अग्रवाल ने जैविक खेती से होने वाले फायदें के संबंध में किसानों को जागरूक करने कहा। उन्होंने जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए गांव-गांव में जाकर किसानों को प्रोत्साहित करने कहा। जैविक खेती के उत्पाद स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से लाभप्रद है। इसके फायदे किसानों को बतायें। इसके साथ ही मिट्टी की उर्वरा शक्ति में वृद्धि होती है। रासायनिक खेती के दुष्परिणाम एवं हानि से किसानों को अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि रासायनिक खेती से भूमि की उर्वरा शक्ति कम होती है। अच्छी गुणवत्ता की पैदावार नहीं हो पाती है।

ऑनलाईन अहाता आबंटन कल

महासमुंद। देशी, विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानों के अनुज्ञप्त परिसर से संलग्न अहातों के लिए अनुज्ञप्तियों के ऑनलाईन आबंटन के लिए 12 अप्रैल से 25 अप्रैल 2024 तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित किए गए थे तथा अनुज्ञप्तिधारी के चयन की तिथि 26 अप्रैल 2024 एवं 29 अप्रैल 2024 नियत की गई थी। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में लोकसभा निर्वाचन का कार्य 7 मई 2024 तक प्रक्रियाधीन होने के कारण तिथि में संशोधित करते हुए महासमुंद जिले के लिए निविदाकारों का चयन 10 मई 2024 को प्रातः 11:00 बजे जिला पंचायत के सभाकक्ष में किया जाएगा। चयन प्रक्रिया के दौरान निविदा दाताओं को निविदा की प्राप्ति अभिस्वीकृति के साथ उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

खास खबर

जंगल में भालुओं ने दम्पत्ति पर किया हमला

राजनांदगांव (ए.)। गर्मी का मौसम आते ही वन विभाग तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य शुरू करता है, जिसमे बड़ी संख्या में वनांचल में रहने वाले ग्रामीण भी विभाग का सहयोग करते हैं। वहीं गर्मियो में वन्य प्राणी पानी और भोजन की तलाश में जंगल में इधर उधर भटकते हैं। ऐसे समय में ग्रामीणों और वन्य प्राणियों का आमना सामना भी होता रहता है। ताज़ा मामला खैरागढ़ जिले के ग्राम देवरी से सामने आया है, जहां तेंदूपत्ता तोड़ने गए यादव दंपत्ति पर भालू ने हमला कर दिया। इस हमले में महिला के पैर में गंभीर चोटे आई है। महिला को बचाने गए उसके पति पर भी भालू ने हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

आनन-फानन में दोनों को ग्रामीणों की सहायता से बचाया गया और दोनों घायलों को सिविल अस्पताल खैरागढ़ लाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पीड़ित नरेंद्र यादव ने बताया कि वे तेंदूपत्ता तोड़ने जंगल गए हुए थे। सुबह अचानक उनकी पत्नी पर भालू ने हमला कर दिया, जिसे बचाने वे भालू से भीड़ गए। इस दौरान दोनों पति पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। पूरे मामले में खैरागढ़ एसडीओ मोना माहेश्वरी ने बताया कि तेंदूपत्ता तोड़ने के दौरान दो ग्रामीण भालू के हमले से घायल हुए हैं, जिसका इलाज सरकारी अस्पताल में चल रहा है। वन विभाग ने जनहानी का प्रकरण बनाकर भेज दिया है। वहीं लगातार इस प्रकार की घटना होने के सवाल पर एसडीओ ने बताया कि पहले की अपेक्षा इस तरह की घटनाओं में कमी आई है। जंगल में पानी की व्यवस्था हमने बढ़ाई है, लेकिन जंगली जानवर भटक कर इस तरफ आ जाते है। इसे देखते हुए उनके प्राकृतिक रहवास का क्षेत्रफल भी बढ़ाया जा रहा है।

8-8 लाख रुपए के इनामी पति-पत्नी समेत 36 लाख के 6 माओवादियों ने सरेंडर

सुकमा। बस्तर में नक्सलियों की सबसे खतरनाक बटालियन नंबर 1 को करारी चोट लगी है। इस बटालियन में सेंट्रल कमेटी मेंबर हिड़मा और DKSZC और कमांडर देवा के साथ काम कर चुके पति-पत्नी ने सरेंडर कर

दिया है। इनके ऊपर 8-8 लाख रुपए का इनाम घोषित है। इसके अलावा किस्टाराम एरिया कमेटी और दक्षिण बस्तर डिवीजन में सक्रिय अन्य 4 नक्सलियों ने भी हथियार डाले हैं। ये 5-5 लाख रुपए के इनामी है। सभी पर कुल 36 लाख रुपए का इनाम घोषित है।

दरअसल बस्तर में लगातार हो रहे एनकाउंटर के डर से सुकमा में पुलिस और CRPF के अफसरों के सामने 6 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है। इनमें नक्सलियों की बटालियन नंबर 1 के हेडक्वार्टर टेलर टीम का सदस्य दूधी पोज्जा और उसकी पत्नी दूधी पोज्जे ने हथियार डाला है। ये दोनों 8-8 लाख रुपए के इनामी है। वहीं किस्टाराम एरिया कमेटी टेलर टीम कमांडर जायक्का उर्फ आयते, ACM कारम उर्फ भूमा, दक्षिण बस्तर डिवीजन में ACM कवासी मुड़ा और अरनपुर इलाके में जनमिलिशिया कमांडर और ACM रैनु उर्फ मड़कम सुक्का ने भी हिंसा का रास्ता छोड़ा है। इन 4 नक्सलियों पर 5-5 लाख रुपए का इनाम घोषित था। ये सभी 6 नक्सली पिछले कई सालों से संगठन में रहकर काम कर रहे थे। कई मुठभेड़ों में भी शामिल थे। कहीं मारे न जाए इसलिए सभी ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है।

दो बाइक के बीच जोरदार भिड़ंत, हादसे में 2 युवकों की मौत

राजनांदगांव। जिले में चंदिया-गिदर्री मार्ग पर बुधवार को हुए सड़क हादसे में 2 युवकों की जान चली गई। हादसे में 2 लड़कियां गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र का है। डोंगरगांव थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार शाह ने बताया कि ग्राम गिदर्री का रहने वाला रूपेश कुमार (24) अपनी बाइक से अपनी रिश्तेदार भूमि पटेल (12) और दामिनी पटेल (12) को उमरवाही से लेकर अपने गृहग्राम वापस लौट रहा था। इस दौरान चंदिया-संबलपुर के बीच अंधे मोड़ पर उसकी बाइक को सामने से आ रही दूसरी बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी।

फर्जी डीएसपी ने युवती से दुष्कर्म कर उसी के खिलाफ 5 जिलों में 6 झूठी रिपोर्ट लिखाई

विशेष अदालत ने सुनाई उम्रकैद की सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। शादी से इंकार करने पर मुंगेली की 27 साल की युवती के खिलाफ मुंगेली, बेमेतरा, बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर में 6 से ज्यादा झूठा केस दर्ज करने वाले आरोपी पीयूष तिवारी को विशेष अदालत ने बुधवार को उम्र कैद की सजा सुनाई है। वह खुद को डीएसपी बताता था। उसने कोल्डड्रिंक में नशा मिलाकर बेहोश किया और उसी हालत में दुष्कर्म किया।

इस दौरान उसने वीडियो बनाया। उसी वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर शादी के लिए दबाव डाला। युवती नहीं मानी तो अलग-अलग थानों में ब्लैकमेलिंग, मारपीट, झूठे केस में फंसाने की धमकी और चार सौ बीसी का केस दर्ज करवाकर जेल भिजवा दिया। आला अफसरों से शिकायत के बाद युवती की रिपोर्ट पर उसके खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ।

बुधवार को कोर्ट ने आरोपी पीयूष को उम्रकैद की सजा सुनाई। पीड़ित युवती को वह पिछले 8 साल से परेशान कर रहा है। झूठे केस के कारण युवती अदालत के चक्कर काटती रही। मिली जानकारी के अनुसार मुंगेली निवासी 27 साल की युवती की करीब 8 साल पहले एक कार्यक्रम के दौरान टिकरापारा के पीयूष तिवारी से उसका परिचय हुआ। पीयूष ने खुद को डीएसपी बताया। उसके बाद पीड़ित युवती और पीयूष के बीच फोन में बातचीत होने लगी।

शादीशुदा होने के बाद भी पीयूष युवती के पीछे पड़ गया। वह युवती पर शादी के लिए दबाव बनाने लगा। युवती को मिलने के लिए रायपुर बुलाया। आईवीवाय होटल में युवती को कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया। युवती बेहोश हो गई। इसी हालात में उसने युवती के साथ दुष्कर्म किया और उसका वीडियो बना लिया। युवती ने 2018 में बिलासपुर के युवक से शादी कर ली। इसकी जानकारी होने पर वह युवती को फिर परेशान करने लगा।

इतना ही नहीं मुंगेली के तत्कालीन एसपी से मिलकर युवती के खिलाफ वहां दो केस दर्ज कराए। फिर उसने दुर्ग में एक जालसाजी का केस दर्ज करवाया। इस बीच उसने युवती के साथ मारपीट कर दुष्कर्म किया। तब युवती ने कुम्हारी थाने में दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई। उसे बाद आरोपी ने नया षडयंत्र रचा। आरोपी ने युवती के नाम से फर्जी शपथ पत्र बनाकर कोर्ट में समझौता नामा पेश कर दिया। उसके बाद बेमेतरा, बिलासपुर और रायपुर के मौदहापारा में उसके खिलाफ केस दर्ज करा दिया।

केस दर्ज करने के बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। उसके बाद युवती ने आला अधिकारियों से मिलकर पूरी हकीकत बताई। एक युवती के खिलाफ 6 से ज्यादा एफआईआर देखकर अधिकारी भी दंग रह गए। फिर उसकी शिकायत पर विभागीय जांच की गई। उसके बाद युवती की शिकायत पर कोतवाली में दुष्कर्म का केस दर्ज किया गया। इस मामले में विशेष अदालत पंकज सिन्हा ने आरोपी को आजीवन कारावास दिया है।

आईपीएस और टीआई जांच के घेरे में

आरोपी एक आईपीएस और टीआई का करीबी है। दोनों अधिकारी जहां-जहां पदस्थ रहे। वहां युवती के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। अब युवती की शिकायत पर दोनों के खिलाफ विभागीय जांच चल रही है।

अंधश्विास में युवक ने भगवान शिव को चढ़ा दी अपनी जबान

अंजोरा थाना क्षेत्र का मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अंधविश्वास के कारण अपनी जीभ काट ली। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के अंजोरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत थनौद गांव में 33 वर्षीय राजेश्वर निषाद ने अपनी जीभ काट ली। निषाद को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अंजोरा चौकी के प्रभारी राम नारायण ध्रुव ने बताया कि ग्रामीणों ने जानकारी दी है कि निषाद आज सुबह लगभग आठ बजे गांव के तालाब में पहुंचा और एक पत्थर के करीब बैठकर कुछ मंत्र पढने् लगा। बाद में उसने अचानक चाकू से अपनी जीभ काट ली और उसे पत्थर के करीब रख दिया। चौकी प्रभारी ध्रुव ने बताया कि जब ग्रामीणों को घटना की जानकारी मिली तो उन्होंने सरकारी एंबुलेंस सेवा और पुलिस को इसकी की सूचना दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि निषाद को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अंजोरा चौकी क्षेत्र के थनौद गांव का रहने वाला राजेश्वर निषाद आज सुबह गांव के बाहर तलाब में नहाने के बाद चाकू से पहले अपनी जीभ काट दी उसके बाद एक पत्थर में कटी जीभ को रखकर भगवान शिव को अर्पित कर दी। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी जिसके बाद पुलिस ने घायल राजेश्वर निषाद को जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसका इलाज जारी है।

घायल के छोटे भाई जागेश्वर निषाद ने बताया कि वह भक्ति भावना में लीन रहता था, चैत्र नवरात्रि में भी उसने पूरे 9 दिनों तक उपवास रखा था। अब उसने मनोकामना पूरी करने के लिए भगवान शिव को अपनी जीभ चढ़ा दी। भाई ने बताया कि वह मानसिक रूप से कमजोर था। कुछ साल पहले देवादा में उसका इलाज भी कराया गया था।राजेश्वर निषाद गमला बनाने का काम करता था उसकी पहली पत्नी ने उसे छोड़ दिया है दूसरी पत्नी गूंगी है। फिलहाल घायल राजेश्वर निषाद का जिला अस्पताल में इलाज जारी है।

शराब खरीदने के विवाद में युवक की हत्या : गले में चाकू से वार

आरोपी घटना को अंजाम देकर हुआ फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के पुलगांव थाना अंतर्गत स्थित शराब दुकान में दो लोगों में शराब खरीदने को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने दूसरे युवक के गले में चाकू से वार किया और भाग गया। अधिक खून बह जान से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

घटना पुलगांव शराब भट्ठी में बुधवार रात 8.40 से 9 बजे के बीच की है। यहां शराब खरीदने के लिए भीड़ लगी थी। इसी दौरान शराब खरीदने को लेकर प्रमोद साहू (45 साल) का एक अन्य युवक से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों एक दूसरे हाथा पाई में उतर आए। इससे पहले कोई कुछ समझ पाता और दोनों के विवाद को दूर करता, एक ने अपने जेब से धारदार चाकूनुमा हथियार निकाला और प्रमोद के गले में ताबड़ तोड़ वार करके भाग गया।

कुछ सेकंड के अंदर ही लोगों ने देखा कि प्रमोद खून से लतपथ होकर जमीन में गिर गया। इसके बाद वहां हड़कंप मच गया। लोगों ने डायल 112 को फोन करके मामले की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलगांव पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने युवक को जिला अस्पताल दुर्ग भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को दुर्ग मर्चुरी में पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया गया है।

सीसीटीवी फुटेज से की जा रही आरोपी की पहचान

पुलगांव पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान करने के लिए शराब दुकान का सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। रात का समय होने से साफ दिखाई नहीं दे रहा है, लेकिन उसके पहनावे और हुलिया से आरोपी की काफी हद तक पहचान हो गई है। पुलिस का कहना है कि वो जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लेगी।

कार की गाड़ी का शीशा टूटा, मिल रही धमकियां

बीरनपुर फाइल्स के निर्माता और कलाकारों पर हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

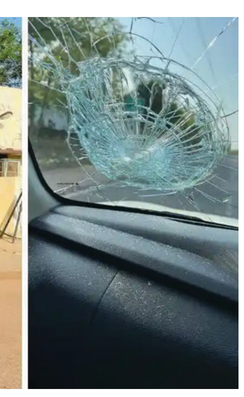

बालोद। छत्तीसगढ़ की बहुचर्चित बिरनपुर हिंसा मामले को लेकर बालोद जिले के कलाकारों द्वारा इस पर एक फिल्म का निर्माण किया जा रहा है, जिसका नाम है बिरनपुर फाइल्स। जिसमें बालोद जिले के गुंडरदेही के रहने वाले अभिनेता पवन गांधी फिल्म में मुख्य कलाकार की भूमिका में हैं। वह ईश्वर साहू की भूमिका बड़े पर्दे पर निभाएंगे। ऐसे में एक बड़ी घटना इस फिल्म को लेकर सामने आ रही है जहां फिल्म के कलाकार पवन गांधी और निर्माता हेमलाल चतुर्वेदी की कार पर हमला हुआ है।

कलाकार पवन गांधी ने बताया कि जब हम प्रेस वार्ता में शामिल होने जा रहे थे और हसदा में रुके हुए थे तब दोपहिया सवार लोग आए जिन्होंने हमारी गाड़ी पर पथराव किया उन्होंने कहा कि हमे बीरनपुर फाइल्स को रिलीज ना करने संबंधित धमकी देते हुए देख लेने की बात कही निर्माता और अभिनेता ने संबंधित बेरला थाने में पूरी घटना की जानकारी देते हुए शिकायत दर्ज करा दी है अब देखना यह होगा यह घटना बीरनपुर फाइल्स को किस तरह प्रभावित करती है।

बालोद जिले के पवन गांधी इस फिल्म में मुख्य किरदार निभा रहे हैं उन्हें के माध्यमों से धमकियां भी मिल चुकी है। उनकी गाड़ी पर हुए हमले से वह डरे हुए हैं उन्होंने बताया कि बिरनपुर फाइल्स के लिए हमने सरकार से अनुमति लेकर इस फिल्म का निर्माण करने जा रहे हैं। मामले में सीबीआई की जांच भी शुरू हो चुकी है ऐसे में पता नहीं लोग इस फिल्म को लेकर क्या सोच रहे हैं, क्या एक वर्ग विशेष के लोग इस फिल्म को रोकना चाहते हैं उन्होंने कहा कि हम इस फिल्म को रिलीज करके रहेंगे। पवन गांधी ने बताया कि इस घटना को लेकर कई पहलू हैं वह जनता के बीच आने चाहिए। हम इस फिल्म में विधायक ईश्वर साहू के संघर्ष को भी दिखाने की पूरी कोशिश करेंगे।

खुले केबल में शॉर्ट सर्किट, 12 घंटे बिजली रही प्रभावित

कोरबा। जिले में बिजली ट्रांसफॉर्मर में आग लग गई। बालको के फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंच कर बड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि केबल में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगने की घटना हुई है। वहीं कुछ घंटे बिजली गुल होने से लोग परेशान रहे।

जानकारी के मुताबिक, बुधवार सुबह बालकोनगर मुख्य मार्ग के किनारे परसाभाठा वार्ड में बिजली आपूर्ति के लिए लगे एक ट्रांसफार्मर के नीचे केबल में हुए शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। गर्मी का मौसम होने से आग तेजी से फैलकर ट्रांसफार्मर तक पहुंचने लगी। लोगों को तुरंत डायल 112 को इसकी सूचना दी। वहीं पुलिस कंट्रोल रूम के जरिए सूचना देने पर बालको के फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच आग पर काबू पाया। इसके बाद आसपास निवासरत लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन आग लगने की घटना के कारण क्षेत्र में बिजली गुल हो गई। जहां बालको के मेन लाइन 4 घंटे तक प्रभावित रही वहीं अलग-अलग क्षेत्रों में देर शाम तक मरम्मत कार्य नहीं होने से बिजली व्यवस्था बहाल नहीं हो सकी।

एयरपोर्ट में मधुमक्खी के झुंड ने बोला हमला, कई यात्री हुए घायल

रायपुर (ए.)। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने यात्रियों पर हमला कर दिया। बुधवार की सुबह करीब 10 बजे हुई इस घटना से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। किसी तरह उन्होंने एयरपोर्ट के लाउंज में भागकर जान बचाई। बताया जाता है कि यात्री हैदराबाद और बैंगलुरू जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंच रहे थे। इसी दौरान अचानक मधुक्खियों के झुंड ने टर्मिनल भवन के आगमन द्वार के पास हमला बोल दिया। इसके चलते कुछ देर के लिए यात्रियों के इधर-उधर भागने के कारण अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। इसके पहले कि वह टर्मिनल भवन के भीतर प्रवेश करते तीन यात्रियों को मधुमक्खियों ने काट लिया।

घटना के बाद वहां पर तैनात मेडिकल टीम से तुरंत प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद तीनों के सामान्य होने और किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने पर उन्हें हैदराबाद और बैंगलुरू की फ्लाइट में रवाना किया गया।

एयरपोर्ट डायरेक्टर एसडी शर्मा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मधुमक्खियों ने तीन यात्रियों को काट लिया था। उपचार कराने के बाद ऐहतियात के तौर पर सुरक्षा की व्यवस्था की गई। वहीं टर्मिनल भवन के ऊपर मधुमक्खियों के छत्ते को हटाने के लिए पेस्ट कंट्रोल टीम को सूचना भेजी गई है। देररात इसे हटाने की कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि 6 साल पहले एयरपोर्ट में इस तरह की घटना हुई थी। इस दौरान 5 यात्रियों को मधुमक्खियों ने काट लिया था।

खाना मांगना पड़ा भारी, पत्नी ने दांत से काटा गुप्तांग

■ **लहूलुहान पुलिस की चौखट पर पहुंचा पीड़ित पति**

बालोद (ए.)। जिले में इंसानी गुस्से की पराकाष्ठा का एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने इंसानियत को शर्मसार कर रख दिया। दरअसल बालोद जिले में एक महिला नेमामूली बात को लेकर पति के गुप्तांग को दांतों से काट दिया। पीड़ित पति लहूलुहान हालत में थाने पहुंचा जहां पर उसने लिखित शिकायत दर्ज कराई। उसकी शिकायत के आधार पर पत्नी के खिलाफअपराध भी पंजीबद्ध कर लिया गया है। पीड़ित ने बताया की खाना मांगने पर पत्नी भड़क गई और गुस्से में उसने गुप्तांग को दांत से काट लिया। यह मामला डौंडीलोहारा के संजारी चौकी का है।

चौकी प्रभारी अरविंद साहू ने बताया कि ग्राम खेरथा बाजार चौकी संजारी का रहने वाला पुनीत राम सिन्हा 34 वर्ष मजदूरी का कार्य करता है। दोपहर को वह घर में था उसने पत्नी सरिता बाई से खाना मंगा तो पत्नी ने खुद निकालकर खाने की बात कही। जिसको लेकर विवाद बढ़ा और पत्नी ने पति के गुप्तांग को दांतों से काट दिया जिससे उसके गुप्तांग से खून आने लगा। ज्ञात हो कि घटना को अंजाम देने के बाद पत्नी मौके से भाग गई। इस घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

बहरहाल मामले में पुलिस ने आरोपी पत्नी के खिलाफ डौंडीलोहारा थाने में धारा 294, 506, 323 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले में अपराध पंजीबद्ध होने के बाद दोनों पक्ष को आज थाने बुलाया गया था, प्रभारी अरविंद साहू ने बताया कि दोनों थाने नहीं पहुंचे मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्हें लाने के लिए हमने आज टीम भेजी है दोनों को बयान और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास - खबर

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों ने मतदान के दौरान की उल्लेखनीय समाजसेवा

दुर्ग। हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न महाविद्यालयों के एनएसएस स्वयंसेवकों ने 07 मई 2024 को आयोजित लोकसभा चुनाव के संदर्भ में जिला प्रषासन द्वारा बनाये गये विभिन्न मतदान केन्द्रों पर उल्लेखनीय समाजसेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया। यह जानकारी देते हुए विष्वविद्यालय के एनएसएस समन्वयक, डॉ. आर. पी. अग्रवाल ने बताया कि मतदान तिथि के पूर्व विष्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा एवं छत्तीसगढ़ राज्य एनएसएस अधिकारी, डॉ. नीता बाजपेयी ने सभी एनएसएस अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों को निर्देषित किया था कि लोकसभा चुनाव के मतदान महापर्व पर मत देने आने वाले वृद्धजनों, अस्वस्थ्य एवं अन्य मतदाताओं को हर संभव सहायता प्रदान करें। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा एवं डॉ. नीता बाजपेयी ये संदेष को उन्होंने समस्त एनएसएस इकाईयों तक पहुंचा दिया था। इसी के परिपालन में 07 मई 2024 को दुर्ग-भिलाई के समीप मतदान केन्द्रों पर एनएसएस के स्वयंसेवकों ने मतदान करने आने वाले अषक्त एवं वृद्धजनों को व्हीलचेयर की सहायता से मतदान कक्ष तक पहुंचाया तथा स्वच्छ पेयजल भी उपलब्ध कराया। इसी प्रकार मतदान केन्द्र में आने वाले वृद्ध एवं कमजोर महिला को स्वयंसेवकों ने परिवार के सदस्यों की तरह सहारा देकर मतदान कक्ष तक पहुंचाया एवं मतदान पश्चात् उन्हें वापस उनके वाहनों तक पहुंचाया। एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा मतदान के दौरान प्रदर्षित सहयोग की भावना की प्रषंसा करते हुए कुलसचिव, भूपेन्द्र कुलदीप, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रषांत श्रीवास्तव ने कहा कि इन स्वयंसेवकों ने एनएसएस की मूलभावना को चरितार्थ किया है।

विश्व रेडक्रॉस व विश्व थैलेसिमीया दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार थैलेसिमिया पीड़ित मरीज को ब्लड की नियमित आवश्यकता एवं इलाज के दौरान हीमोग्लोबिन की कमी होने से रक्त का अभाव न हो इसी उद्देश्य से 08 मई विश्व रेडक्रॉस व विश्व थैलेसिमीया दिवस पर दुर्ग जिला ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने 08 मई विश्व रेडक्रॉस दिवस पर रक्तदाताओं को शुभकामनाएं दी है। साथ ही शिविर आयोजनों के प्रति आभार व्यक्त किया है। नोडल अधिकारी ब्लड बैंक जिला चिकित्सालय से प्राप्त जानकारी अनुसार आयोजित विशेष रक्तदान शिविर में आई.सी.आई.सी.आई. फाउण्डेशन से भिलाई, नवदृष्टि फांऊन्डेशन, अग्रवाल समाज दुर्ग, डॉ. रजनीश मल्होत्रा, डॉ. वॉय किरण, पियांशु सिंह, दीपक बंसल एवं दुर्ग-भिलाई के रक्तदाताओं ने रक्तदान कर कुल 30 यूनिट रक्तदान किया। शिविर में 01 रक्तदाता श्री पियांशु सिंह ने अपनी जीवन काल का प्रथम ''ए'' पॉजीटिव रक्तदान किया। थैलेसीमिया पीड़ित मरीजों को नियमित निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाता है। वर्ष 2020 में 317 यूनिट, वर्ष 2021 में 267 यूनिट, वर्ष 2022 में 293 यूनिट, वर्ष 2023 में 498 यूनिट एवं जनवरी 2024 से अप्रैल 2024 तक 154 यूनिट रक्त थैलेसीमिया पीड़ित मरीजों को उपलब्ध कराया गया । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.पी. मेश्राम, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. हेमंत साहू, आर.एम.ओ. डॉ. अखिलेश यादव ,दिनेश, मधुसूदन देवागंन, कौशल, हिमांशु एवं समस्त ब्लड बैंक कर्मचारी, उपस्थित रहें, रक्तदाताओं को उत्साहित कर प्रमाण पत्र एवं पौधा वितरित किये गये।

सूर्य नमस्कार पार्क : बीएसपी में सिंटर प्लांट में तनाव मुक्त कार्य के लिए एक योग अनुप्रयोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के हलचल भरे औद्योगिक माहौल में, मशीनरी की आवाज और उत्पादन की निरंतर श्रृंखला के बीच, शांति और तनाव से राहत के क्षण ढूंढना एक कठिन काम जैसा लगता है। लेकिन सिंटर उत्पादन के शोर के बीच, एक शांतिपूर्ण स्थान है – सूर्य नमस्कार पार्क, जो एसपी-3, सिंटर मैक 2 क्षेत्र में है। जहां अधिकारी और कार्मिक समान रूप से सूर्य नमस्कार के अभ्यास हेतु रोजाना इकट्ठा होते हैं। सूर्य नमस्कार एक प्राचीन प्रसिद्ध योग मुद्रा अनुक्रम है, जो तनाव से राहत देने वाले कई योग मुद्राओं में से एक है।

सूर्य नमस्कार, बारह योग मुद्राओं की एक श्रृंखला है जो क्रमिक क्रम में की जाती है। प्रत्येक मुद्रा श्वास लेने और छोड़ने के तालमेल के साथ की जाती है, जिससे एक ध्यानात्मक लय बनती है, जो मानसिक ध्यान और शारीरिक विश्राम प्रदान करती है। भारत की वैदिक परंपराओं से उत्पन्न, सूर्य नमस्कार न केवल एक शारीरिक व्यायाम है, बल्कि एक आध्यात्मिक अभ्यास भी है, जो सूर्य को जीवन और ऊर्जा के स्रोत के रूप में सम्मान कर, सूर्य के प्रति कृतज्ञता प्रदर्शित करता है। बीएसपी के सिंटर प्लांट में सूर्य नमस्कार को एक स्ट्रेस मैनेजमेंट टूल के रूप में देखा जाता है। यह निर्णय औद्योगिक क्षेत्र में संयंत्र के सभी कर्मचारियों के, समग्र कल्याण के लिए प्रबंधन के दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है। आधुनिक कार्यशैली की मांग के कारण अक्सर तनाव का स्तर बढ़ जाता है। इसलिए कंपनियां स्वस्थ और अधिक संतुलित कार्य एवं जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए योग जैसी वैकल्पिक अभ्यासों की ओर तेजी से रुख कर रही है। एसपी 3 में सूर्य नमस्कार पार्क की संकल्पना, अवधारणा और निर्माण की परिकल्पना का कार्य मुख्य महाप्रबंधक अनुप कुमार दत्ता और महाप्रबंधक एम आर के शरीफ के कुशल मार्गदर्शन में किए गए प्रमुख हाउसकीपिंग अभियान के दौरान की गई थी। योग के प्रति गहरी लगन और कर्मचारी कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ, युवा प्रबंधकों की एक टीम इसके लिए भरपूर प्रयास किया और मेहनत की। यह टीम, जिसमें उप महाप्रबंधक एम यू राव, सहायक महाप्रबंधक आर के रणदिवे, प्रबंधक विपिन, उप प्रबंधक दिनेश मानिकपुरी ने साथ मिलकर, इस पार्क के लिए समर्थन और संसाधन जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मैक 2 क्षेत्र में योग पार्क औद्योगिक परिदृश्य के बीच कर्मचारियों के शरीर और दिमाग दोनों को आराम करने और तरोताजा करने के लिए, अनुकूल वातावरण और उत्तम स्थान प्रदान करता है। हरियाली से घिरा और शांति से भरपूर पार्क, आत्मनिरीक्षण और आत्म-देखभाल के लिए एक अनुकूल और शांत वातावरण प्रदान करता है।

सामान्यत: प्रतिदिन, 20 से 30 अधिकारी और कार्मिक सूर्य नमस्कार के लिए योग पार्क में इकट्ठा होते हैं। मुख्य महाप्रबंधक अनुप कुमार दत्ता के नेतृत्व में, वे सभी कर्मचारी, गति और सांस के लयबद्ध प्रवाह द्वारा निर्देशित हो कर, आत्म-खोज और आंतरिक खोज की यात्रा में शामिल हो जाते हैं। इसके अलावा, सूर्य नमस्कार का अभ्यास प्रतिभागियों के बीच समुदाय और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देता है। पदों के भेदभाव को समाप्त कर एकता की भावना को बढ़ावा देता है। जहाँ सभी कर्मचारी आपस में, आत्म-देखभाल और व्यक्तिगत विकास के लिए प्रतिबद्धता से बंध जाते हैं। सिंटर प्लांट के शोर भरे वातावरण में, जहाँ कार्य समय की अवधि बड़ी होती हैं और दबाव बहुत अधिक होता है, सूर्य नमस्कार का दैनिक अभ्यास, इस तनावपूर्ण माहौल में अनमोल राहत प्रदान करता है। यह बाह्य परिस्थितियों से परे, प्रत्येक व्यक्ति के भीतर मौजूद आंतरिक शांति के साथ फिर से जुड़ने के लिए एक रिमाइंडर के रूप में कार्य करता है।

इसके अलावा, तनाव प्रबंधन उपकरण के रूप में योग की शुरूआत, कर्मचारी कल्याण और समग्र विकास के प्रति बीएसपी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। शारीरिक और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने वाली पहलों में निवेश करके, कंपनी न केवल एक स्वस्थ कार्यशैली का समर्थन कर रही है।

महिलाओं एवं छात्राओं के लिए आईसेक्ट सुपेला द्वारा निःशुल्क कम्प्यूटर ट्रेनिंग कैम्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आईसेक्ट से संबंध आईसेक्ट उप जिला मुख्यालय हिमालय काम्पलेक्स सुपेला भिलाई द्वारा विगत 26 वर्षो की तरफ महिलाओं एवं छात्राओं के लिए 14 दिवसीय निःशुल्क कम्प्यूटर ट्रेनिंग कैम्प का प्रथम चरण प्रारंभ किया जा चुका है। प्रत्येक बैच में 50 महिलाओं-छात्राओं को प्रत्येक दिन 5 अलग-अलग समय पर 10-10 के ग्रुप में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मुख्यत: कैम्प का उद्देश्य ऐसी महिलाएं या छात्राएं जो नौकरीपेशा या ग्रहणी हों और जो कम्प्यूटर जैसे आधुनिक तकनीक के उपकरणों को जानना समझना और चलाना तो चाहती है पर कई कारणों से ऐसा कर पाने में असमर्थ होती है, उन्हें इस संबंध में अधिक से अधिक जानकारी प्रदान करना और साथ ही जैसा कि हमारी संस्था का उद्देश्य है घर-घर तक कम्प्यूटर के ज्ञान को पहुंचाना व इस क्षेत्र में होने वाले परिवर्तनों की जानकारी को पहुंचाना 14 दिवसीय कार्यक्रम में कम्प्यूटर का परिचय, बेसिक, एमएसवर्ड, एमएसएक्सेल, पावर पाईंट, इंटरनेट, फोटो शॉप, डीटीपी, टेली, बेसिक हार्डवेयर इत्यादि विषयों पर प्रेक्टिकल जानकारी दी जायेगी।

नये बैच में पंजीयन हेतु आईसेक्ट उपजिला मुख्यालय हिमालय काम्पलेक्स सुपेला भिलाई एवं आईसेक्ट बी.डी.एस .कॉलेज, बाबा दीप सिंग नगर, वैशाली नगर, भिलाई में संपर्क किया जा सकता है। इस योजना के माध्यम से संस्था इस योजना में भाग लेने वाली महिलाओं एवं छात्राओं को निःशुल्क पाठ्यसामग्री एवं कार्यक्रम के अंत में प्रमाण पत्र संस्था द्वारा प्रदान किया जाएगा। साथ ही संस्था में संचालित होने वाले विवि के विभिन्न1 वर्षीय एवं लघु अवधि के डिप्लोमा एवं सर्टिफिक्रेट पाठ्यक्रमों के शिक्षण शुल्क में 15 प्रतिशत तक की विशेष छूट दी जाएगी। जो कि सत्र 2024 द् 2025 में लागू होगी। कैम्प में भाग लेने के लिए पंजीयन कराने हेतु आईसेक्ट हिमालय काम्पलेक्स सुपेला, शाखा एवं आईसेक्ट बी.डी.एस.कॉलेज, बाबा दीप सिंग नगर, वैशाली नगर, भिलाई में संपर्क किया जा सकता है। उपरोक्त जानकारी आईसेक्ट उपजिला प्रबंधक जिला दुर्ग अरविन्दर सिंह ने दी है। कम्प्यूटर के क्षेत्र में इससे संबंधित जानकारियों को प्रचार करने में आईसेक्ट हिमालय हिमालय काम्पलेक्स सुपेला भिलाई ने जो पहल की है वह काफी सारहनीय है।

जिला प्रशासन ने प्रेक्षक श्रीकेश लथकर व प्रसन्ना वी पत्तनसेट्टी का जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत लोकसभा क्षेत्र दुर्ग 07 में 7 मई 2024 को तीसरे चरण का मतदान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मतदान प्रक्रिया के शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न सफलता में प्रेक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

जिसके लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने एडीएम अरविंद एक्का, जिला पंचायत सीईओ अश्विनी कुमार देवांगन, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर बजरंग दुबे की उपस्थिति में जिला प्रशासन की ओर से सामान्य प्रेक्षक श्रीकेश लथकर एवं व्यय प्रेक्षक प्रसन्ना वी. पत्तनसेट्टी को नंदी की मूर्ति भेंट की। साथ ही कलेक्टर सुश्री चौधरी ने प्रेक्षकों को मतदान प्रकिया में उनके मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने शांतिपूर्ण मतदान संपन्न होने पर किया आभार व्यक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिले में शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न मतदान संपन्न होने पर मतदान कार्य संपन्न कराने वाले सभी अधिकारियों- कर्मचारियों, सुरक्षाकर्मियों सहित जिले के नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि जिले में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने में स्वीप कार्यक्रम की अहम भूमिका रही है। जहां पिछले लोकसभा चुनाव में 71.68 प्रतिशत मतदान हुआ था, वहीं वर्तमान लोकसभा चुनाव में 73.68 प्रतिशत मतदान हुआ है। मतदान में लगभग 2 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में मतदान कराने हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी, जिन्होंने पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ सुचारू रूप से मतदान संपन्न कराने में अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का भली-भांति निर्वहन किया, वहीं सुरक्षा कर्मियों द्वारा भी सुरक्षा जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया गया। भीषण गर्मी होने के बावजूद जिले के नागरिकों ने पूरे सहयोग के साथ निर्वाचन व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए उत्साह के साथ मतदान में हिस्सा लेकर मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र में अपनी आस्था व्यक्त की। नए मतदाताओं ने भी पहले बार मताधिकार का प्रयोग करने में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, वहीं महिलाओं की सक्रिय सहभागिता रही। वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों ने भी उत्साह से मतदान किया। जिला निर्वाचन अधिकारी चौधरी ने मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने सभी तरह के समाचारों का पर्याप्त कव्हरेज करते हुए लोगों को अवगत कराया। स्काउट-गाईड, एनसीसी एवं एनएसएस के छात्रों द्वारा मतदान सहभागिता निभाई, जो सराहनीय रहा। मतदान दलों को लाने-ले जाने के अन्य कार्यों में लगे वाहन चालकों के सहयोग के बिना यह निर्वाचन कार्य भली-भांति संपादित नहीं हो पाता, वाहन चालकों के पूर्ण समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठ होने के फलस्वरूप यह कार्य संपादित हुआ है।

12 मई को होगा जय आनंद मधुकर रतन भवन में लब्धि कलश की राशि का समर्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। 2 वर्ष पूर्व गौतम लब्धि फाउंडेशन की अभिनव योजना दुर्ग में जरूरतमंद जैन स्वधर्मियो के लिए प्रारंभ हुई थी जिसका लाभ शहर के जरूरतमंद जैन परिवार के सदस्यों को इसका लाभ मिल रहा हे दुर्ग के जैन परिवारों के मध्य वितरित किए गए गौतम लब्धि कलश की राशि का समर्पण 12 मई रविवाराशि जय आनंद मधुकर रतन भवन बांदा तालाब दुर्ग में रखा गया है।

जिन जैन परिवारों को यह कलश दिए गए हैं उन सभी परिवारों से आग्रह है कि वह अपने कलश की राशि रविवार को कलश खाली कर समर्पित करें जिससे अधिक से अधिक जैन परिवारों को स्वास्थ्य शिक्षा चिकित्सा में अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

अब तक चार लाख रुपए तक की राशि जैन स्वधर्मी सहायता में दी जा चुकी है। उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि जी महाराज की प्रेरणा से प्रारंभ इस योजना में दुर्ग शहर के जैन परिवार के घरों में गौतम लब्धि कलश वितरित किए गए थे इस कलश में संग्रहित राशि का वितरण चेक द्वारा जरूरतमंद जैन परिवारों को प्रदान किया जाएगा

जैन समाज के सामाजिक उत्थान के लिए दुर्ग शहर में यह योजना शिक्षा चिकित्सा एवं स्वधर्मी सहायता में इस राशि का उपयोग किया जा रहा है जिसके लिए इच्छुक व्यक्ति गौतम लब्धि फाउंडेशन में आवेदन कर सकता है आवेदन करने वाले का नाम पूर्णत: गुप्त रखा जाएगा इस योजना में समाज का कमजोर तपका कोई वंचित न हो इसका विशेष प्रयास होगा। व्हाट्सएप मैसेज के माध्यम से इसे प्रचारित किया जा रहा है गौतम लब्धि फाउंडेशन के सदस्यों ने आग्रह किया है जिन जिन परिवारों में गौतम लब्धि कलश वितरित किए गए हैं उस कलश में अधिक से अधिक दान की राशि संग्रहित करने का आह्वान संस्था के सदस्यों ने किया है संस्था के संयोजक सुरेश श्री श्रीमाल निर्मल बाफना रवि गुणधर आशीष बोहरा जम्बू भंडारी ने जैन समाज के लोगों से गौतम लब्धि कलश में अधिक से अधिक राशि का दान कर स्वधर्मी सहायता में सहयोग करने का आवाहन किया है इस संदर्भ में गांधी चौक दुर्ग में सुरेश श्री श्रीमाल के पास आवेदन जमा किया जा सकता है।

रवींन्द्रनाथ टैगोर के 163 वें जन्मदिवस पर भिलाई में जुटेंगे सैकड़ों कलाकार

कलामंदिर सिविक सेंटर में रविन्द्र सुधा द्वारा काव्यांजलि का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विश्व कवि रवींन्द्रनाथ टैगोर के 163 वें जन्मदिवस पर देशभर में एक हजार कंठ कविगुरु रवीन्द्रनाथ टैगोर के गीत एक ही समय पर एक साथ गाएंगे और इसी काव्यांजलि में भिलाई से सौ से ज्यादा कलाकार जुडेंगे और इसमें छत्तीसगढ़ भर से गायक जुडेंगे। भिलाई की संस्था रवीन्द्र सुधा करीब 9 महीने से इसकी तैयारी कर रही है। यह कार्यक्रम रविवार सुबह 10 बजे से कला मंदिर में होगा।

यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ सहित भारत के एक साथ एक ही समय पर होगा। संस्था के विश्वजीत सरकार ने बताया कि यह उनकी संस्थआ पहले भी कोलकाता में हुए हजार कंठ के कार्यक्रम में शामिल हो चुकी है, लेकिन इस बार यह भारत के अलग-अलग राज्यों में एकसाथ रखा गया है। इसमें भारत के उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम से ग्यारह राज्यों मे शत कंठ सम्मेलन होगा।

संस्था की सांस्कृतिक सचिव मऊ रे ने बताया कि कला मंदिर में होने वाले इस कार्यक्रम में एक साथ 20 गानों की श्रृंखला पेश की जाएगी इस दौरान सभी राज्यों के कलाकार इंटरनेट के वेब कॉस्ट के माध्यम से एक साथ जुडेंगे। और इसका सीधा प्रसारण देख सकेंगे। उन्होने बताया कि इस कार्यक्रम को देखने संगीत प्रेमी निःशुल्क प्रवेश ले सकते हैं। इस कार्यक्रम संस्था गीतिमाल्या की ओर से रखा गया है और इसकी रूपरेखा एवं संगीत निर्देशन कोलकाता की अरुंधती देब का है। है। यह पूरे गीत एक ही ट्रैक पर चलेंगे और इस ट्रैक को सभी संस्थाओं को पहले से ही भेज दिया गया है ताकि वे सभी लगातार इस पर प्रैक्टिस कर सकें।

कई हिन्दीभाषी गायक

भिलाई की टीम में इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले कालाकारों में कई गायक हिन्दीभाषी है जो बंगाली गीतों को गा रहे हैं। वही कई ऐसे गायक है जिनकी उम्र 60 के उपर है और रिटायरमेंट की उम्र में अपना हुनर दिखा रहे हैं। संस्था के सदस्यों ने बताया कि गाने की फाइनल प्रैक्टिस शनिवार को की जाएगी। वही मंच को भी विशेष तरीके से सजाया जाएगा। ताकि इसमें शांति निकेतन का लुक नजर आए।

गैर संकार्य विभाग के कार्मिक कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी प्रबंधन द्वारा ऐसे कार्मिक जो कार्यस्थल में नवीनता, संसाधनों का बेहतर उपयोग, संगठनात्मक उद्देष्यों को पूरा करने के लिए उच्चतम स्तर के सुरक्षा मानकों को बनाये रखते हुए तकनीकी/प्रक्रियात्मक अनुषासन का पालन करने में असाधारण प्रतिभा का प्रदर्षन करते है, उनको प्रेरित करने और पहचान देने के लिए प्रतिमाह ''कर्म षिरोमणि पुरस्कार'' प्रदान किया जाता है।

इसी क्रम में माह जनवरी एवं फरवरी 2024 के लिए वित्त एवं लेखा विभाग से वरिष्ठ स्टाफ सहायक संजय नन्दुरकर, सामग्री प्रबंधन से वरिष्ठ स्टोर कीपर सुरेष एवं रमाषंकर सिंह, नगर सेवाएं विभाग से चार्जमैन कम वरिष्ठ तकनीषियन सहदेव प्रसाद बंजारे, स्टोर कीपर धासी राम तथा चार्जमैन कम वरिष्ठ तकनीषियन श्री विजय कुमार मानकर को कर्म षिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया गया।

सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सभागार में आयोजित समारोह में मुख्य महाप्रबंधक डी एन करन तथा मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर द्वारा कर्मचारियों को कर्म षिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस पुरस्कार योजना के तहत पुरस्कृत कार्मिकों को सम्मान स्वरूप प्रबंधन द्वारा उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र, स्मृति चिन्ह, कार्मिक की पत्नी के लिए प्रषंसा पत्र, मिठाई पैकेट प्रदान किया जाता है। साथ ही पुरस्कार विजेता की तस्वीर उनके विभाग के नोटिस बोर्ड में प्रदर्षित की जाती है।

इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक प्रभारी एन आर शेनॉय, महाप्रबंधक प्रभारी व्ही के शर्मा, महाप्रबंधक के के यादव, उप महाप्रबंधक गोविन्दन राजेष, सहायक महाप्रबंधक रितेष जैन, सहायक महाप्रबंधक नरेन्द्र इंगले, सहायक महाप्रबंधक जी एम व्ही पद्मिनी कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक व्ही के भोण्डेकर, उप प्रबंधक मनोज कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक मेट्टा प्रसाद तथा कनिष्ठ अधिकारी ए रमेष भी मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950